Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 57 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

नागरिक आदर्शवान और अनुशासित होना चाहिये, हमारा देश निश्चित विकास करेगा।

Our country would Certainly develop it our citizens submit the mselves to idealism and discipline.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

जीडीपी ग्रोथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि : पीएम मोदी

■ पहली तिमाही में जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी के 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच देश का तेजी से बढ़ना हमारे लोगों की सामूहिक क्षमता को दिखाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पीएम मोदी ने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की शानदार जीडीपी ग्रोथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमारे लोगों की सामूहिक ताकत ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बावजूद भारत तेजी से विकास करता रहे। उन्होंने पोस्ट के अंत में कहा कि निराशावादी लोगों की हार हुई और भारत एक बार फिर से खिल उठा है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले साल की समान अवधि की विकास दर 6.9 प्रतिशत से 0.9 प्रतिशत ज्यादा है। ,यह आरबीआई के अनुमान से ज्यादा है। अगस्त की शुरुआती में मौद्रिक नीति कमेटी के फैसलों के ऐलान के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 प्रतिशत बताया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास को रफ्तार तृतीयक क्षेत्र ने दी है। इसकी विकास दर 10 प्रतिशत की रही है। इस दौरान, तृतीयक क्षेत्र में 'फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और प्रोफेशनल सर्विसेज' ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ तेजी का नेतृत्व किया है। द्वितीयक क्षेत्र की विकास दर स्थिर कीमतों में 8.6 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र की 2.9 प्रतिशत रही है। इस दौरान कृषि और उससे जुडे सेगमेंट की विकास दर 3.6 प्रतिशत रही है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत रही है। यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 5.8 प्रतिशत थी।

किर्गिस्तान में पुतिन-मोदी की मुलाकात, दोनों लीडर गले मिले

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों लीडर एक-दूसरे के गले मिले। दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक शुरू हो गई है। इससे पहले उन्होंने ईरान, किर्गिस्तान और अर्मेनिया के राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से भी मिले। पश्चिम एशिया में जंग शुरू होने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। इस समिट की थीम 'शांति, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर आगे बढ़ना' है, जिसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान सहित 10 सदस्य देशों के नेता भाग लेंगे। मोदी बिश्केक में होने वाले 6वें वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी ने भारत में अगले महीने होने वाली ब्रिक्स समिट के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन को न्योता दिया। मोदी ने कहा- भारत कुछ दिनों बाद ब्रिक्स समिट का आयोजन कर रहा है। सभी सभी भारतीय आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

खनिज उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

■ अन्वेषण से एडवांस मैन्युफैक्चरिंग तक विकसित होगी पूरी वैल्यू चेन

■ क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स में आत्मनिर्भरता से मजबूत होगी भारत की आर्थिक और सामरिक शक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध समृद्ध खनिज संपदा और क्रिटिकल मिनरल्स की व्यापक संभावनाएं प्रदेश को विकास के नए क्षितिज पर ले जाने की क्षमता रखती हैं। हमारा लक्ष्य केवल धरती से खनिज निकालना नहीं, बल्कि अन्वेषण से उत्खनन, प्रसंस्करण से मूल्य संवर्धन और एडवांस मैन्युफैक्क्रिंग से रिसाइक्लिंग तक पूरी मिनरल वैल्यू चेन छत्तीसगढ़ में विकसित करना है। इससे प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा आयोजित क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की आठवीं किश्त के रोड शो को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स आने वाले समय में देश की आर्थिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सामरिक सुरक्षा के प्रमुख आधार होंगे। आज के तेजी से बदलते वैश्विक और तकनीकी परिदृश्य में इन खनिजों का महत्व बहुत आगे बढ़ चुका है। रक्षा उद्योग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्क्रिंग तक आधुनिक अर्थव्यवस्था के लगभग हर उभरते क्षेत्र के लिए इन खनिजों की विश्वसनीय उपलब्धता आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ई-रेत संगवारी पोर्टल और टिन पोर्टल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) द्वारा इंडियन ओवरसीज बैंक तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के साथ महत्वपूर्ण एमओयू भी किए गए।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड लगातार दूसरे वर्ष प्रदान करेगा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने, पर्यटन से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान किए जाएंगे। इस पुरस्कार योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले होटल, पंजीकृत टूर ऑपरेटर, जिले, पर्यटन स्टार्टअप, रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, होमस्टे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, इको-टूरिज्म साइट और एडवेंचर टूरिज्म संचालकों को सम्मानित किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत कुल 10 श्रेणियों में एक-एक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को ?11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

पर्यटन की पूरी श्रृंखला को प्रोत्साहित करने पर जोर

'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' की खासियत यह है कि इसमें पर्यटन को केवल पर्यटन स्थलों तक सीमित न रखते हुए उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को भी सम्मान के दायरे में शामिल किया गया है। आतिथ्य, पर्यटन संचालन, जिला पर्यटन प्रबंधन, उद्यमिता, रिसॉर्ट सेवाएं, पर्यटक सहायता, होमस्टे, डिजिटल प्रचार, पर्यावरण संरक्षण और साहसिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल संस्कृति ही विकसित भारत की मजबूत नींव : बृजमोहन अग्रवाल

■ 'पीएम श्री' स्कूलों से विकसित भारत की नींव मजबूत होगी : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा क्षेत्र से वरिष्ठ सांसद एवं शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के वरिष्ठ सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव में आयोजित संसदीय अध्ययन दौरे में शिक्षा और खेल विकास को लेकर व्यापक रणनीतिक मंथन किया।

श्री अग्रवाल ने राष्ट्रीय पटल पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना और कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड के प्रभावी उपयोग का रोडमैप प्रस्तुत किया। दीव में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने भारत सरकार के विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, केंद्र शासित प्रदेश के शिक्षा निदेशालय, नवोदय विद्यालय समिति तथा वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग और स्टेट बैंक ऑफइंडिया (SBI) के शीर्ष अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया।

CSR फंड से खेल अधोसंरचना का विस्तार

बैठक में श्री अग्रवाल ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समेत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर जोर देते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए सीएसआर फंड का बड़ा हिस्सा आधुनिक खेल मैदान, सिंथेटिक ट्रैक, उपकरण और प्रशिक्षण केंद्रों के निर्माण में लगाया जाए।

अध्ययन प्रवास के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने दीव स्थित 'पीएम श्री' जवाहर नवोदय विद्यालय का सघन दौरा किया।

नेपाल में तबाही के बीच चमत्कार!

■ 3 दिन तक मलबे में दबी रही 6 साल की बच्ची, जिंदा निकली

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने राहत और बचाव अभियान में जुटे लोगों को भी हैरान कर दिया। रसुवा जिले के तिमुरे इलाके में बचाव दल ने मलबे और मिट्टी के नीचे दबी 6 साल की बच्ची को तीन दिन बाद जिंदा निकाल लिया। बच्ची बाढ़ के बाद मलबे में फंस गई थी और उसके जिंदा होने का पता तब चला, जब सुरक्षाकर्मियों ने मलबे के नीचे से उसकी आवाज सुनी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बच्ची को शुक्रवार को मलबे से बाहर निकाला गया। उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए शनिवार को हेलीकॉप्टर से काठमांडू ले जाया गया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। रसुवा जिले के तिमुरे में बाढ़ से प्रभावित इलाकों में सशस्त्र पुलिस बल की टीम लोगों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान जवानों को मलबे के नीचे से किसी बच्चे के रोने या आवाज करने की आवाज सुनाई दी। टीम ने तुरंत उस जगह पर खुदाई शुरू कर दी। काफी मशक्कत के बाद मिट्टी और मलबे के नीचे से 6 साल की बच्ची को जिंदा बाहर निकाला गया। बच्ची को तत्काल तिमुरे स्थित सशस्त्र पुलिस बल की सीमा चौकी ले जाया गया।

रायपुर के नंदनवन का 50 करोड़ से होगा कायाकल्प

■ पीपीपी मॉडल पर बनेगा नया बॉटनिकल गार्डन

■ उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के अटारी गांव स्थित नंदनवन को अब नए और आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा। इसके कायाकल्प पर करीब 50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। परियोजना को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित करने की तैयारी है। मंत्रालय महानदी भवन में सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों ने नंदनवन के पुनर्विकास की प्रस्तावित योजना का मुख्य सचिव विकासशील के सामने प्रेजेंटेशन दिया। प्रस्तावित परियोजना में नंदनवन के बॉटनिकल गार्डन को नए सिरे से विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही यहां के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर फोकस रहेगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नंदनवन के विकास की योजना में पर्यटकों की सुविधा और आकर्षण का खास ध्यान रखा जाए। यहां ऐसी जन-सुविधाएं विकसित की जाएं, जिससे लोगों को बेहतर अनुभव मिल सके। नंदनवन के विकास में बॉटनिकल गार्डन को प्रमुखता दी जाएगी। परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ ही नंदनवन को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। पीपीपी मॉडल के जरिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

कर्मचारियों के वेतन में कटौती, टॉपग्रेड मेनपावर पर एक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने प्लेसमेंट के जरिए मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली मेसर्स टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड राजनांदगांव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर एजेंसी की 10 लाख रुपए की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी राजसात कर ली गई है। इसके साथ ही कंपनी को मंडल में कार्यरत एजेंसियों की काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में दर्ज कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों को मेसर्स टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत मिली थी। नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल और छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की संयुक्त निविदा के तहत एजेंसी के साथ 1 जुलाई 2023 को अनुबंध हुआ था।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट 11 की मौत, 22 घायल

■ 3 मकान जमींदोज, तड़पते घायलों को चारपाई पर लेकर भागे लोग

प्रयागराज। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इस हादसे में 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन 2 किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, एनडीआरएएफ और एसडीआरएएफ के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजरों से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में धुएं का गुबार चारों तरफ छा गया। विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमाके होते रहे। ग्रामीण झुलसे लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखे। विस्फोट की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मकान की तीसरी मंजिल में 8 फीट का छेद हो गया। एक मंजिला फैक्ट्री 800 वर्गफीट में बनी थी। मालिक का नाम आदिल है। पुलिस के मुताबिक, फैक्ट्री के बगल में नई बस्ती बस रही थी।

बिहार-झारखंड के बीच 25 साल पुराना विवाद खत्म

■ अमित शाह की मौजूदगी में सोन नदी जल बंटवारे पर बनी सहमति

नई दिल्ली। बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद आखिरकार सुलझ गया है। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की मौजूदगी में दोनों राज्यों के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (रूश्) पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित दोनों राज्यों तथा केंद्रीय गृह मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे।

समझौते पर हस्ताक्षर के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने खुशी जताई और केंद्र व झारखंड सरकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के सकारात्मक और सफल प्रयासों की बदौलत लगभग 25 वर्षों से लंबित यह महत्वपूर्ण जल समझौता आज सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ है। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद बिहार को अपनी जरूरत के हिसाब से पानी मिलेगा और झारखंड को उसका वाजिब हिस्सा मिल सकेगा। सोन नदी के पानी के बंटवारे का मुद्दा 1973 के बाणसागर समझौते से जुड़ा है। उस समय, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और तत्कालीन अविभाजित बिहार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ था, जिसमें बिहार को कुल 7.75 मिलियन एकड़-फीट (रूस्न) पानी आवंटित किया गया था। जब नवंबर 2000 में बिहार का पुनर्गठन हुआ और झारखंड एक अलग राज्य बना, तो सोन बेसिन का एक हिस्सा नए राज्य के क्षेत्र में आ गया। इसके बाद, झारखंड ने 7.75 रूस्न पानी के आवंटन में अपना हिस्सा मांगना शुरू कर दिया। स्पष्ट सहमति न बन पाने के कारण यह विवाद दशकों तक खिंचता रहा और अंतरराज्यीय जल प्रबंधन में बाधा बना रहा। इस विवाद को सुलझाने की निर्णायक शुरुआत 10 जुलाई 2025 को रांची में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में हुई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की थी। इस बैठक के बाद केंद्र सरकार ने दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक विशेष तकनीकी समिति का गठन किया, जिसने सर्वसम्मति से पानी के बंटवारे का नया फॉर्मूला तैयार किया।

दिल्ली में बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप

■ बस 47 किमी दौड़ती रही, शीशे पर पर्दे लगे थे, ड्राइवर-कंडक्टर अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित यूपी के मैनपुरी की रहने वाली है। परिवार में झगड़ा होने पर बिना बताए नोएडा में कजिन के घर के लिए बस से निकली। मैनपुरी से नोएडा की दूरी 300 किमी से ज्यादा है। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से परी चौक पर उतर गई थी। फिर यहां से नोएडा जाने के लिए वाहन का इंतजार करने लगी। इसी बीच वहां से एक खाली स्लीपर बस गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर और कंडक्टर ने छात्रा को बस में बैठा लिया। उन्होंने बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बस चलने के कुछ समय बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की। छात्रा ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि दोनों ने देर रात छात्रा को कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर उतार दिया। इसके बाद दोनों वहां से फरार हो गए। छात्रा ने रात में ही कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कोतवाली एसीपी शंकर बनर्जी के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम ने बस की पहचान और उसके रूट को ट्रैक करने के लिए रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस ने ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को तिमारपुर की एक बस पार्किंग से गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस को भी जब्त किया गया। बस की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जशपुर में आधुनिक फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण के लिए 5.49 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से जशपुर जिले में खेल अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला मुख्यालय जशपुर में आधुनिक फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 5 करोड़ 49 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरूण साव के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति दी गई है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण से जशपुर जिले के खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और जिला स्तर से आगे बढ़कर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए बेहतर मंच मिलेगा।

जशपुर जिले में फुटबॉल के प्रति खिलाड़ियों और युवाओं में विशेष उत्साह एवं रुचि को देखते हुए यह स्टेडियम खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे जिले में नियमित प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और खेल आयोजनों के लिए बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल सुविधाओं के विस्तार पर लगातार जोर दिया जा रहा है। फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण के लिए मिली यह स्वीकृति जिले में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बीएसपी में सेल ऑफर्स के लिए डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल शुरू

पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा, दस्तावेजों के आदान-प्रदान में आएगी तेजी और कार्यक्षमता में होगा सुधार

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र में सेल ऑफर्स के डिजिटल हस्ताक्षर के लिए नए डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया। कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती ने 31 अगस्त को इस्पात भवन में मॉड्यूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन एवं विपणन) अयान मिश्रा, महाप्रबंधक (विपणन) चैताली दास तथा विपणन और कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सी एंड आईटी) विभाग के वरिष्ठ कार्यपालक उपस्थित थे।

ए. के. चक्रवर्ती ने परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए विपणन और कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी टीम को बधाई दी। उन्होंने ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए इस तरह की डिजिटल पहलों का विस्तार करने तथा नई संभावनाओं की तलाश करने पर जोर दिया।

अब तक सामग्री एवं व्यवसाय नियोजन विभाग (एम एंड बीपी) द्वारा जारी किए जाने वाले सेल ऑफर्स पर मैनुअल हस्ताक्षर किए जाते थे। इसके बाद मेटल जंक्शन (एमजंक्शन) द्वारा भौतिक रूप से सेल ऑफर्स प्राप्त कर उन पर आवश्यक हस्ताक्षर करवाए जाते थे और हस्ताक्षरित सेल ऑफर्स की स्कैन प्रतियां ग्राहकों को भेजी जाती थीं। इस पूरी प्रक्रिया में दस्तावेजों के भौतिक आदान-प्रदान के साथ अतिरिक्त समय और संसाधनों की आवश्यकता होती थी।

ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने तथा प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, त्वरित और सुगम बनाने के उद्देश्य से विपणन एवं व्यवसाय नियोजन विभाग ने कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के समन्वय से डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल विकसित किया है। इसके लागू होने के बाद अधिकृत विपणन कार्यपालकों के डिजिटल हस्ताक्षर वाले सेल ऑफर्स सीधे ग्राहकों और मेटल जंक्शन को ई-मेल के माध्यम से भेजे जा सकेंगे।

मॉड्यूल के विकास में महाप्रबंधक (विपणन) शुभा बंछोर, उप प्रबंधक (विपणन) शैलेश दुबे तथा उप महाप्रबंधक (कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी) चंद्रकली साहू और दीपमाला का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर शुभा बंछोर ने डिजिटल साइनिंग मॉड्यूल की कार्यप्रणाली और इसके प्रमुख लाभों पर संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

यह पहल भिलाई इस्पात संयंत्र में पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित और छेड़छाड़-रोधी दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सीधे ग्राहकों और मेटल जंक्शन के साथ साझा किए जा सकेंगे। इससे दस्तावेजों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया तेज और सुविधाजनक होगी तथा मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम होने से कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भविष्य निधि कार्यालय में खेल गतिविधियों का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा 28 से 30 अगस्त 2026 तक विभिन्न खेल एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।आयोजन के अंतर्गत रस्सी कूद, नींबू दौड़, पंजा लड़ाने तथा महिलाओं के लिए बास्केटबॉल सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन गतिविधियों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आपसी सहयोग, अनुशासन तथा टीम भावना का परिचय दिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 30 अगस्त को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-ढ्ढ जयवर्धन इंग्ले ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य कार्यस्थल पर स्वस्थ जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता और खेल भावना को बढ़ावा देना रहा।

आयुक्त संबित मिश्रा ने फुण्डहर और गोकूल नगर गोधाम की व्यवस्था का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन 9 अंतर्गत फुण्डहर गोधाम और जोन 6 अंतर्गत गोकूलनगर गोधाम की व्यवस्थाओ का वहां पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। आयुक्त ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र में संचालित गोधामो की व्यवस्था सतत नियमित मॉनिटरिंग कर सुचारू बनाये रखने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। आयुक्त ने गोधामो के निरीक्षण के दौरान मवेशियों के चारा, पानी, दाना आदि की सुचारू व्यवस्था करने गौवंश की सुरक्षा की दृष्टि से स्वच्छता, गौवंश एवं गौमाता की शासकीय पशु चिकित्सा विभाग के पशु चिकित्सको के मार्गदर्शन में समय समय पर टीकाकरण सहित चिकित्सकीय जांच की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शासन के निर्देशानुसार सुनिश्चित करवाने के निर्देश संबंधित जोन अधिकारियों को दिये।

आयुक्त श्री संबित मिश्रा द्वारा गौधामो के निरीक्षण के दौरान नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, उपायुक्त श्री जसदेव सिंह बाबरा, जोन 6 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव, कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव, श्री दिनेश सिन्हा सहित नगर निगम के अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

स्वस्थ युवा, सशक्त भारत: धमतरी में चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतङ्कसंकल्प अभियान' एवं 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत 1 एवं 2 सितंबर 2026 को स्व. श्री बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों, नशामुक्त जीवनशैली तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना है।चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन 1 सितंबर को दोपहर 12 बजे किया जाएगा। प्रदर्शनी में नशे के विभिन्न दुष्परिणामों, मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान, नशे से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित चित्र एवं जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत संतुलित आहार, सही पोषण और स्वस्थ जीवन से संबंधित जानकारी भी प्रदर्शित की जाएगी।रंजना डीपेन्द्र साहू मुख्यअतिथि एवं अरुण कुमार सार्वा विशिष्ट अतिथिकार्यक्रम में श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू, पूर्व विधायक, धमतरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। वहीं श्री अरुण कुमार सार्वा, अध्यक्ष, जिला पंचायत धमतरी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक सहित प्राध्यापकगण, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता शामिल हैं।इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थी नशामुक्त समाज, युवाओं की भूमिका, स्वस्थ जीवनशैली, पोषण, विकसित भारत एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता एवं विचार प्रस्तुत करेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूकता के साथ-साथ सही पोषण, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन का संदेश प्रभावी ढंग से दिया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने।

सरकार का वित्तीय प्रबंधन फेल, छत्तीसगढ़ आर्थिक दिवालियेपन के कागार पर :शुक्ला

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के नीति आयोग की ÷वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ की वित्तीय व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नीति आयोग ने देश के 18 राज्यों के वित्तीय स्थिती के बारे में जो रिपोर्ट जारी किया है। उसमें छत्तीसगढ़ 17वें नंबर पर है। राज्य का राजकोषिय घाटा तय लक्ष्य 2.99 से बढ़कर 5.32 हो गया है। नीति आयोग के अनुसार छत्तीसगढ़ की वित्तीय स्थिती दिवालियो होने की है। सरकार इस रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण जारी करे। यह रिपोर्ट प्रदेश के विकास के लिये चिंताजनक है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारत सरकार के नीति आयोग की वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक रिपोर्टयह प्रमाणित करती है कि भाजपा सरकार और वित्तमंत्री ओपी चौधरी वित्तीय अनुशासन और अर्थव्यवस्था के प्रबंधन में पूरी तरह से नाकाम साबित हुए हैं। केंद्र सरकार के ताजा रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ का राजकोषीय अनुशासन (थ्रेबंस च्तनकमदबम) स्कोर महज एक साल में 56 से गिरकर 7.4 अंक रह गया है। 18 बड़े राज्यों में छत्तीसगढ़ अब 17वें स्थान पर पहुंच चुका है, अर्थात नीचे से दूसरे स्थान पर।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की जनता बेतहाशा टैक्स वसूलने तथा महंगी बिजली एवं शराब की अंधाधुंध बिक्री करवा कर जमीनों की रजिस्ट्री में टैक्स ज्यादा लेने तथा दादागिरी से जीएसटी वसूलने के बाद भी साय सरकार या वित्तीय प्रबंधन फेल हो चुका है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आम जनता से बेरहमी से टैक्स वसूली करने में भाजपा की

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ट्रांसफॉर्मरों के विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–317–26–27–11 दिनाँक: 14/08/2026 कार्य : बेलपहाड़ टीएसएस से बिलासपुर टीएसएस तक 21.6/30.24 एमवीए क्षमता वाले TELK, केरल निर्मित पावर ट्रांसफॉर्मरों का डिस्मेंटलिंग, शिफ्टिंग, इरेक्शन, टेस्टिंग तथा कमीशनिंग का कार्य । **निविदा मूल्य : ₹ 23,81,266.33/-। बयाना राशि : ₹ 47,600.00/-। निविदा जमा करने की तिथि व समय** : दिनांक **07.09.2026** के **15:00** बजे तक।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/356 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway 𝕏@secrail

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, (CC-I), RAIPUR. Website - www.cseb.gov.in
Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in Phone No. 0771-2574800, 2574801 Fax No. 0771-2574805

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

E-tenders are invited against below tenders of following work:-

S. N.	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1	TR-2026_59 Dt.31.08.2026 RFX No. 8100053993	Awarding contract for engagement of **1 Peon** for O/o **City Circle-I, CSPDCL, Raipur,** the period of contract will be for **2 year** on the monthly rate basis. The CSPDCL reserves the right to terminate the term of contract period/ order on 1 month advance notice basis.	**3,40,920/-**	**3409/-**	Dt.21.09.26 upto 02:30 PM	Dt.21.09.26 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **e-bidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in**The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY **SAMVAD - 48896/2**

Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दिया है :कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। । बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। उन्होंने कहा रोजमर्रा की जरूरतो के समानो की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे है। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये है, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बढ़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बद्तर दिन में जीवन काटने को मजबूर है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि राखी के त्योहार में शक्कर एवं खाद तेलो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनाये। पिछले एक पखवाड़े में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। खाद तेल के दाम दुगुने हो गये है। प्याज 50 रू. किलो पहुंच गया है। आम गृहणी की रसोई की बजट बिगड़ गया है। अच्छे दिनों का वादा कर सरकार में आई मोदी सरकार ने आम आदमी को महंगाई से परेशान कर रखा है। दाल की कीमते दोगुनी हो गई है, लहसुन 400 किलो, आलू, प्याज, टमाटर एवं सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। दालों की कीमते दुगुनी हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि एक तरफ बढ़ती बेरोजगारी, घटते इनकम से लोग परेशान हैं वही दैनिक उपभोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जनता परेशान है। केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के चलते ही महंगाई बेलगाम हो चुकी हैं। 1 डॉलर की कीमत 96 रुपये तक पहुंच गया है। केंद्र की मोदी सरकार आम जनता से डीजल, पेट्रोल का डेढ़ गुना दाम वसूल रही है। रसोई गैस की कीमतें तीन गुना अधिक वसूली जा रही है। दूध, दही, पनीर, आटा, मैदा, सूजी, दलहन तिलहन, कपड़े जैसे दैनिक

स्कूली शिक्षा को लेकर सरकार के दावें तथ्यहीनः वर्मा

रायपुर। शिक्षा की गुणवत्ता, बिगड़ते परीक्षा परिमाण और नए शिक्षकों की भर्ती को लेकर सरकार के दावे पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकारी दावें तथ्यहीन हैं, वर्तमान में 260 स्कूल (212 प्राथमिक और 48 मीडिल स्कूल) शिक्षक विहीन और 12712 स्कूल (5840 प्राथमिक और 6872 मीडिल स्कूल) एकल शिक्षक के भरोसे छोड़ दिया गया है, सरकार की उपेक्षा और बदइंतजामी के चलते ही प्रदेश में शिक्षा का स्तर गिर रहा है, विज्ञान और गणित में बुनियादी सिद्धांतों को समझने का स्तर माइनस में है जो अत्यंत चिंताजनक है, पेपर लीक हो रहे हैं, स्कूलों को मिलने वाला फंड रोक रखा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34925/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 30-08-202

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34925
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220F00189** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KHEMRAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. निरूपा साहू पति स्व. श्री खेमराज साहू 2. सरस्वती साहू 3. पिंकी साहू 4. बंटी साहू तीनो पिता - स्व. श्री खेमराज साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री खेमराज साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ... / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34846/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34846
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00117** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. VIMLA DEVI PRAJAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ASKARAN PRAJAPATI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUNIL PRAJAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ASKARAN PRAJAPATI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34845/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34845
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **30** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00118** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASKARAN PRAJAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O HARAKRAM PRAJAPATI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAY PRAKASH PRAJAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ASKARAN PRAJAPATI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34529/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 30-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34529
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **13** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR222A00119** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BALRAM YADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SUNDER LAL YADU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI KAMAL NARAYAN YADU** पता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SUNDER LAL YADU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34844/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34844
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **70** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568K00268** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. MANJU JADWANI 2. ASHOK JADWANI S 3. NIKHLESH JADWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O ASHOK JADWANI, S/O RAJALDAS JADWANI, S/O ASHOK JADWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. VISHAL SHARMA 2. CHHAYA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HARIKRISHNA SHARMA, W/O VISHAL SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सोनिका को मिला शहीद कौशल यादव पुरस्कार

सूरजपुर की पहली खिलाड़ी बनीं इस प्रतिष्ठित सम्मान की हकदार

कांग्रेस परिवार ने किया धाविका का सम्मान

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो-(दैनिक विश्व परिवार)छोटे शहर से निकलकर बड़े सपने देखने और अपनी मेहनत के दम पर उन्हें हकीकत में बदलने वाली सूरजपुर की होनहार धाविका सोनिका राजवाड़े ने जिले का मान बढ़ाया है। नगर पंचायत प्रेमनगर निवासी एथलीट सोनिका राजवाड़े, पिता भूपेंद्र राजवाड़े, को एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शहीद कौशल यादव सम्मान 2025-26 से सम्मानित किया गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए इस प्रतिष्ठित सम्मान के तहत सोनिका को डेढ़ लाख रुपये की नगद राशि एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। खास बात यह है कि सूरजपुर जिले में पहली बार किसी खिलाड़ी को शहीद कौशल यादव सम्मान से नवाजा गया है। सोनिका की इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत, खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में हर्ष का माहौल है। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष शशि सिंह व टीम ने सूरजपुर में सोनिका का अभिनंदन किया व उनके माता-पिता व परिजनों के साथ कोच को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि सोनिका ने 3000 मीटर दौड़ में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। करीब ढाई वर्षों तक जिला एथलेटिक्स संघ सूरजपुर में नियमित प्रशिक्षण लेकर उन्होंने अपनी दौड़ की तकनीक, फिटनेस और सहनशक्ति पर लगातार मेहनत की। जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष एवं कोच नरेश कुमार कुशवाहा तथा अश्लेश राजवाड़े के मार्गदर्शन में सोनिका ने सुबह-शाम कड़ा अभ्यास किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया।

उनकी मेहनत का परिणाम रहा कि उन्होंने 3000 मीटर दौड़ में अपनी अलग पहचान बनाई और राष्ट्रीय स्तर की धाविका के रूप में अपनी प्रतिभा को स्थापित किया। वर्तमान में सोनिका भोपाल के साई सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं और नजर अब राष्ट्रीय स्तर पर और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने पर है।

छोटे शहर से बड़े सपनों तक का सफर

सोनिका की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों और सुविधाओं के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का हौसला रखते हैं। उन्होंने साबित किया है कि प्रतिभा को सही दिशा, अनुशासन और निरंतर मेहनत मिले तो छोटे शहरों से भी बड़े खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं।

जिला एथलेटिक्स संघ की पूरी टीम ने सोनिका को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संघ के अध्यक्ष एवं कोच नरेश कुशवाहा ने कहा कि मैदान में की गई मेहनत ही खिलाड़ी की असली पहचान बनाती है। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा को पहचानकर पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जिला कांग्रेस परिवार ने किया अभिनंदन- सोनिका को मिले इस गौरवपूर्ण सम्मान पर जिला कांग्रेस परिवार सूरजपुर ने भी उनका अभिनंदन किया। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से धाविका सोनिका राजवाड़े को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनकी उपलब्धि पर बधाई दी गई।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि सोनिका ने अपनी मेहनत और उपलब्धियों से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे सूरजपुर जिले का नाम रोशन किया है। जिले की इस 'उड़नपरी' को मिला प्रतिष्ठित सम्मान आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को भी प्रेरणा देगा।

खेल जगत में खुशी की लहर- सोनिका को शहीद कौशल यादव सम्मान मिलने से जिले के खेल जगत में खुशी की लहर है। खेलप्रेमियों का कहना है कि यह सम्मान सूरजपुर में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश है। उम्मीद जताई जा रही है कि सोनिका भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर जिले और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगी।

जनदर्शन में कलेक्टर ने दिव्यांग को प्रदाय किया मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- शासन की कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के जीवन में सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता की नई राह भी तैयार कर रही हैं। सूरजपुर के संजयनगर, अजबनगर निवासी बचपन से दिव्यांग श्री गौतम सिल को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से अब उनके दैनिक जीवन में आवागमन आसान होगा और वे रोजगार के छोटे अवसरों से जुड़ने की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगे।

दैनिक जीवन में आवागमन से जुड़ी कठिनाइयों के कारण श्री गौतम ने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी। कलेक्टर ने उनकी आवश्यकता को देखते हुए समाज कल्याण विभाग को शासन की योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

निर्देशों के पालन में समाज कल्याण विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की गई। कलेक्टर जनदर्शन के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने श्री गौतम को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की।

ट्राई साइकिल मिलने पर गौतम के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। उन्होंने कहा कि अब आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। साथ ही वे छोटे-मोटे रोजगार से जुड़कर अपनी आजीविका को बेहतर बनाने का प्रयास कर सकेंगे। उन्होंने इस सहायता के लिए विष्णु भैया को धन्यवाद भी दिया। उनके लिए यह सहायता सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में फ़ीचर फोन यूज़र्स के लिए फोनपे ने यूपीआई पेमेंट लॉन्च किया

रायपुर। फोनपे ने आज ' फोनपे यूपीआई 123 पे ' लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी पूरे भारत में फीचर फोन (कीपैड वाले बेसिक फोन) यूजर्स के लिए यूपीआई पेमेंट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसके साथ ही, फोनपे भारत के 200 मिलियन+ कीपैड फोन यूजर्स के लिए यूपीआई पेमेंट की सुविधा देने वाला पहला प्रमुख थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) बन गया है। यह कदम वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और अब तक डिजिटल सुविधाओं से दूर रहे समुदायों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए फोनपे के फाउंडर और सीईओ, समीर निगम जी ने कहा कि- पिछले एक दशक में, यूपीआई ने भारत के पेमेंट करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है- फोनपे को इस बदलाव का शुरुआत से ही हिस्सा बनने पर गर्व है। आज जब हम अपने अब तक के सफ़र पर नज़र डालते हैं, तो हमारा अगला कदम अपनी सफलताओं को आगे बढ़ाना, अपने दायरे का विस्तार करना और भविष्य की नई संभावनाओं को तलाशना है। फोनपे यूपीआई 123 पे के माध्यम से फीचर फोन पर यूपीआई सुविधा लाना, डिजिटल पेमेंट के बेनिफिट्स को स्माटफोन से आगे बढ़ाकर देश के हर कोने तक पहुँचाता है। हमारे लिए, वास्तव में भारत के लिए निर्माण का अर्थ है- लोगों तक उनकी अपनी भाषा और ज़रूरतों के अनुसार सुविधा उपलब्ध कराना। हमारा लक्ष्य वित्तीय समावेशन की एक ऐसी व्यापक लहर लाना है जो सच में हर नागरिक के लिए हो ताकि देश के अगले 30 करोड़ नए यूज़र्स भी आसानी से डिजिटल फ़ाइनेंशियल सिस्टम से जुड़ सके। यह सर्विस नोकिया, एचएमडी, लावा इंटरनेशनल, आईटेल मोबाइल - ट्रांशन होल्डिंग्स डिवाइसेज के साथ प्री-बंडल्ड होगी, तथा आने वाले महीनों में अन्य मोबाइल हैंडसेट्स पर भी उपलब्ध हो जाएगी। इस सर्विस का लॉन्च हमारे प्रोप्रायटरी टेक्नोलॉजी स्टैक पर किया गया है, जिसे खासकर फीचर फोन से यूपीआई पेमेंट करने के लिए विकसित किया गया है। विश्वसनीयता के लिए डिज़ाइन किया गया फोनपे यूपीआई 123 पे एक मजबूत एसएमएस -आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करता है।

सैमसंग ने गेम्सकॉम 2026 में SB4 से लैस P9 और P7 SSD प्रदर्शित किए

उन्नत मेमोरी तकनीक में वैश्विक अग्रणी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज SB4 कनेक्टिविटी वाले अपने अगली पीढ़ी के पोर्टेबल सॉलिड-स्टेट ड्राइव (SSD) P9 और P7 का अनावरण किया। कंपनी ने नई P सीरीज़ को में पेश किया, जो दुनिया का सबसे बड़ा गेमिंग आयोजन है और 26 से 30 अगस्त तक कोलोन, जर्मनी में आयोजित किया जा रहा है।

अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो, AI कंटेंट और बड़े पैमाने के गेम्स से बढ़ती स्टोरेज आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई P सीरीज़ में फ्लैगशिप P9 शामिल है, जो पेशेवर उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च-स्तरीय प्रदर्शन प्रदान करता है, जबकि P7 को रोज़मर्रा के विभिन्न उपयोगों के लिए तेज़ और सुविधाजनक स्टोरेज प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। Samsung Electronics में वाइस प्रेसिडेंट और ब्रांड प्रोडक्ट बिज़ टीम के प्रमुख टॉमी क्वोन ने कहा, जैसे-जैस AI-संचालित कंटेंट निर्माण और अल्ट्रा-हाई-रिज़ॉल्यूशन वीडियो बड़ी मात्रा में डेटा को रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बना रहे हैं, उपयोगकर्ता तेज़ और अधिक भरोसेमंद स्टोरेज अनुभव की अपेक्षा कर रहे हैं। तेज़ फाइल स्टोरेज और बैकअप के साथ, P सीरीज़ को पेशेवरों और रोज़मर्रा के उपयोगकर्ताओं, दोनों को विभिन्न प्रकार के एप्लिकेशन पर कुशलतापूर्वक काम करने के लिए आवश्यक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बीई ओ-बीआरसी की बैठक में स्कूलों की मॉनिटरिंग एवं शैक्षणिक गतिविधियों की हुई समीक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से समग्र शिक्षा कार्यालय सूरजपुर में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बैक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री रमेश मोर एवं डिप्टी कलेक्टर श्री यशवंत देवांगन उपस्थित रहे।

बैठक में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, आधार बायोमेट्रिक अपडेशन, अपार आईडी, बुक स्कैनिंग, प्रशस्त एप, दिव्यांग विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति पंजीयन, लइका चिन्हारी एप तथा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत शत-प्रतिशत सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अधूरे निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने एवं ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के अंतर-संकुल निरीक्षण, 100 अंकों के

आधार पर स्कूलों की ग्रेडिंग, उत्कृष्ट विद्यालयों को प्रोत्साहित करने तथा कम प्रदर्शन वाले विद्यालयों के लिए रेमेडियल मॉनिटरिंग की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों से आवश्यक सुझाव भी लिए गए।

अंतर-संकुल मॉनिटरिंग के माध्यम से 10 बिंदुओं पर समयबद्ध अध्यापन व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। बैठक में डीएमसी श्री मनोज साहू, सहायक संचालक शिक्षा श्री अजय सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तमिलनाडु की तर्ज पर छत्तीसगढ़ से भी टेट की स्थायी मुक्ति की मांग, शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने सरकार के सामने रखा प्रस्ताव

17 अगस्त 2012 तक नियुक्त शिक्षकों को टेट से पूरी छूट देने की मांग

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) को लेकर शिक्षकों के बीच हलचल तेज हो गई है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सेवाकालीन शिक्षकों को टेट अर्हता प्राप्त करने के लिए समय-सीमा 31 अगस्त 2028 तक बढ़ाए जाने के बाद छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने सरकार के सामने कई महत्वपूर्ण सुझाव और मांगें रखी हैं। शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा , बीरेंद्र दुबे,केदार जैन ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक नई नौकरी पाने के लिए टेट परीक्षा नहीं दे रहे हैं, बल्कि वे पहले से ही सेवाकालीन शिक्षक हैं। उन्हें दक्ष और योग्य बनाए जाने के उद्देश्य से शिक्षक पात्रता परीक्षा की व्यवस्था में शामिल किया जा रहा है। ऐसे में अनुभवी शिक्षकों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार को व्यावहारिक और सरल व्यवस्था बनानी चाहिए।

तमिलनाडु की तर्ज पर टेट से स्थायी मुक्ति की मांग- संघर्ष मोर्चा के प्रदेश सह संयोजक रंजय सिंह ने कहा कि 17 अगस्त 2012 तक छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता नहीं थी। इसलिए इस अवधि से पहले नियुक्त शिक्षकों को ज्ञश्वज्ञ से पूरी तरह छूट दी जानी चाहिए। मोर्चा ने मांग की है कि तमिलनाडु की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजे, ताकि प्रदेश के सेवाकालीन शिक्षकों को ज्ञश्वज्ञ की अनिवार्यता से स्थायी मुक्ति मिल सके। मोर्चा का कहना है कि इस प्रस्ताव पर केंद्र सरकार द्वारा निश्चित रूप से विचार किया जा सकता है।

शिक्षा मंत्री से हुई चर्चा पर जताया भरोसा- मोर्चा ने बताया कि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के साथ हुई चर्चा में शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई है। संगठन ने शिक्षा मंत्री के समक्ष पांच सूत्रीय मांगें रखी थीं, जिनमें टेट के झंझट से स्थायी मुक्ति, पूर्व सेवा की गणना कर हितलाभ, केंद्रीय वेतनमान देकर वेतन विसंगति दूर करना, डी एड धारी शिक्षकों के लिए बी एड. हेतु ब्रिज कोर्स की व्यवस्था तथा भर्ती-पदोन्नति नियम 2026 को निरस्त अथवा संशोधित करने की मांग प्रमुख रही।

संघर्ष मोर्चा के प्रदेश सह संयोजक रंजय सिंह ने कहा है कि शिक्षा मंत्री के साथ हुई चर्चा पर प्रदेश के शिक्षकों को पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि सरकार सेवाकालीन शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

संक्षिप्त समाचार

मीशो पर राखी के ऑर्डर्स में 36 प्रतिशत की वृद्धि, नॉन-मेट्रो भारत और छोटे विक्रेताओं ने बढ़ाई त्योहारी मांग

रायपुर: पिछले एक महीने के दौरान मीशो पर राखी की खरीदारी में तेजी देखने को मिली। इस दौरान प्लेटफॉर्म ने पिछले वर्ष की समान राखी शॉपिंग अवधि की तुलना में ऑर्डर्स में लगभग 36% की वृद्धि और GMV में लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की। इस वर्ष मीशो पर राखी के कुल ऑर्डर्स में लगभग 73% हिस्सेदारी नॉन-मेट्रो भारत की रही। यह दर्शाता है कि देश के बड़े शहरों से आगे अब छोटे शहर भी त्योहारी ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सबसे तेज वृद्धि टियर 3 और टियर 4 बाजारों में दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के छोटे औद्योगिक शहर दादरी ने लगभग 105% सालाना वृद्धि के साथ सबसे आगे स्थान बनाया। इसके बाद नबरंगपुर (ओडिशा), कासगंज, धमतरी और नैनपुर (मध्य प्रदेश) जैसे शहरों में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस राखी सीजन में ग्राहकों के भुगतान व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिला। मीशो पर 58% राखी ऑर्डर्स प्रीपेड माध्यमों से किए गए, जो प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन खरीदारी के प्रति ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। त्योहारी मांग ने अधिक कारोबारियों को भी प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित किया। राखी उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं की संख्या में सालाना 72% की वृद्धि दर्ज की गई।

अधिक छोटे व्यवसायों और उद्यमियों ने अपने प्रोडक्ट कैटलॉग का विस्तार करते हुए देशभर में त्योहारी मांग का लाभ उठाया। नए डिजाइन और फॉर्मेट के बावजूद पारंपरिक राखियों की मांग मजबूत बनी रही। इस सीजन में ग्रीटिंग कार्ड के साथ आने वाला ब्रेसलेट-स्टाइल राखी सेट सबसे अधिक बिकने वाला उत्पाद रहा। इसके साथ ही ग्राहक अपने त्योहार को अधिक व्यक्तिगत और खास बनाने वाले विकल्प भी तलाशते नजर आए। पर्सनलाइज्ड नेम राखियों की मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो ऐसे गिफ्टिंग विकल्पों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाती है जिन्हें खास तौर पर प्राप्तकर्ता के लिए तैयार किया गया हो। राखी 2026 ने मीशो पर त्योहारी ई-कॉमर्स के बढ़ते दायरे को एक बार फिर रेखांकित किया।

चांपा में चाकूबाजी की वारदात, युवक पर जानलेवा हमला; मुख्य आरोपी गिरफ्तार

घटना के कुछ घंटों के भीतर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद; एक नाबालिग भी शामिल=

जांजगीर-चांपा। चांपा थाना क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है। मामले में एक नाबालिग के शामिल होने की बात भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त 2026 को चांपा निवासी सूरज कुमार यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके भाई दीपक कुमार यादव पर संजू केंवट और उसके साथी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों की मदद से घायल दीपक को उपचार के लिए बीडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए चांपा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने अपराध क्रमांक 452/2026, धारा 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मुखबिर की सूचना पर आरोपी पकड़ा गया= जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के संबंध में सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संजू केंवट (27 वर्ष), निवासी कंवरपारा, चांपा को पकड़ लिया।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मामले में एक नाबालिग के शामिल होने की जानकारी भी पुलिस जांच में सामने आई है। पुलिस द्वारा उसके संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक वैष्णव, सउनि भुवनेश्वर राठौर, प्रधान आरक्षक नरसिंह बर्मन, आरक्षक ईश्वरी राठौर सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपादकीय

संदेह और एतराज

बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय खाद्य पदार्थ दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे हैं? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना होगा। इस शिकायत में सच्चाई हो सकती है कि भारत से खराब संबंधों के कारण ने चीन ने जेनेटिकली मॉडिफाइड होने का आरोप लगाकर भारतीय चावल की कुछ किस्मों का आयात रोका है। मगर, यही बात जापान के भारतीय आमों का आयात रोकने या कई देशों के भारतीय मसालों का आयात रोकने/ घटाने को लेकर नहीं कही जा सकती। वैसे, गुजरे चार वर्षों में मिलावट और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के कारण भारतीय दवाओं पर भारतीय दवाओं के निर्यात पर भी खराब असर पड़ा है। इस दौरान अमेरिका और अफ्रीका के कई देशों ने भारतीय दवाओं की खेप को वापस भेजा या आयात रोक दिया, जिससे भारत की फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड वाली छवि को चुनौती मिली। हालांकि, जापान भारतीय आम का सबसे बड़ा खरीदार नहीं था, लेकिन आम उत्पादकों के मुताबिक उसके प्रतिबंध से दुनिया में बहुत खराब संदेश गया है, जिसका असर आने वाले वर्षों में पड़ सकता है। इसका कारण जापान का विकसित देश होना और उसके परीक्षण प्रतिमानों की ऊंची छवि है। बहरहाल, मुद्दा है कि बीते कुछ वर्षों में अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे भारतीय उत्पाद दुनिया में संदेह और एतराज का निशाना बनने लगे? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए अपने अंदर झांकना जरूरी है। विशेषज्ञ भारत के कृषि उत्पादों की प्रमाणन व्यवस्था और विकसित देशों के खाद्य सुरक्षा प्रतिमानों के बीच बढ़ती गई खाई की ओर इशारा करते रहे हैं। वहां प्रतिमान समय के साथ विकसित हुए। खासकर कोविड-19 महामारी के बाद अनेक बाजारों में इन पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। लेकिन इस दौर में भारत में परीक्षण और प्रमाणन की व्यवस्थाओं को उन्नत नहीं किया गया। जबकि थाईलैंड, वियतनाम, ब्राजील, चिले आदि जैसे अनाज निर्यातकों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांगों के अनुरूप अपने यहां प्रमाणन व्यवस्था बेहतर करने में जरूरी निवेश किया। उन्होंने उत्पादों के जीएमओ मुक्त होने के अधिक विश्वसनीय सर्टिफिकेशन के इंतजाम किए। नतीजतन, भारत की कीमत पर उन देशों के उत्पाद बाजार हासिल कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत में औद्योगिक उत्पादों के निरीक्षण की व्यवस्था अधिक कमजोर एवं भ्रष्टाचार ग्रस्त हुई है। उसका नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है।

आलेख

महतारी के आशीष से, राखी के विश्वास से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर पहल

2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप सदैव याद किया जाएगा

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान मातृशक्ति के सम्मान और नारी शक्ति के प्रति आदर की परंपरा से जुड़ी हुई है। मां दंतेश्वरी, मां बम्लेश्वरी, मां महामाया और मां चंद्रहासिनी की आस्था से लेकर माता कौशल्या की धरती तक, छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति सदैव सामाजिक जीवन के केंद्र में रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और स्वावलंबन को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जाना इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के 30 माह के कार्यकाल में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। योजना के अंतर्गत प्रदेश की करीब 68 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ परिवार के आर्थिक निर्णयों में अधिक भागीदारी का अवसर मिल रहा है। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राज्य सरकार ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि का अंतरण किया। 25 अगस्त को बालोद जिले में आयोजित कार्यक्रम में करीब 68 लाख महिलाओं के बैंक खातों में लगभग 631 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश की माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त बनें, अपने छोटे-बड़े निर्णय स्वयं ले सकें और अपने त्योहारों को पूरे उत्साह एवं सम्मान के साथ मना सकें। रक्षाबंधन से पहले खातों में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों में सरकार की सहभागिता का संदेश भी लेकर आई। विगत दिनों रक्षाबंधन के अवसर पर रायपुर में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधे। कार्यक्रम में सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव दिखाई दिया। कार्यक्रम का भावुक क्षण उस समय आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राखी का यह धागा भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है। अनेक जवानों ने राष्ट्र और प्रदेश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ प्रदेश की बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। सरकार का प्रयास है कि नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग न उजड़े, किसी मां को अपना बेटा न खोना पड़े और किसी बहन को अपने भाई की सुरक्षा की चिंता न सताए। राज्य में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रदेश में 2 लाख 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार और आय के स्थायी साधनों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है। महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं स्थानीय स्तर पर विभिन्न उत्पादों का निर्माण एवं विपणन कर रही हैं। इससे उन्हें आय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे परिवार के साथ-साथ गांव के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महतारी वंदन योजना की राशि रक्षाबंधन से पहले प्राप्त होने पर प्रदेश के विभिन्न जिलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सुकमा से कोरिया और राजनांदगांव से रायगढ़ तक प्रदेश के विभिन्न अंचलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति स्नेह और विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें बड़े भाई के रूप में सम्मान दिया। महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना से उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिल रही है।

पीएम फसल बीमा योजना-हर किसान के लिए किफायती फसल बीमा.........

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026ङ्क27 के लिए ?12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025-26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि 'प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली' (वाईईएस-टेक) और 'वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम' (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है।

फसल बीमा के जरिए ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करना

फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग-अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026ङ्क27 में पीएमएफबीवाई के लिए ?12,200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो फसल बीमा और किसानों को सुरक्षा देने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीएमएफबीवाई का असर : एक किसान की हिम्मत की कहानी

असम के नागांव जिले के चनखला गांव के रहने वाले छोटे किसान अनवर हुसैन अपने परिवार की आजीविका के लिए पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं। जब भारी बारिश से उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा, तो उन्हें अपने कर्ज चुकाने और अगली बुआई के लिए पैसे जुटाने को लेकर चिंता सताने लगी। अच्छी बात यह थी कि अनवर ने सिर्फ ?100 का मामूली प्रीमियम देकर 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' (पीएमएफबीवाई) में अपना पंजीकरण कराया हुआ था। फसल के नुकसान का आकलन होने के बाद, उन्हें इस योजना के तहत ?50,600 का मुआवज़ा मिला। समय पर मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें नुकसान से उबरने, अपना कुछ कर्ज़ चुकाने और अगले सीज़न के लिए खेती का जरूरी सामान खरीदने में मदद मिली। इस मदद की वजह से, आर्थिक तंगी में फंसने के बजाय अनवर नए आत्मविश्वास के साथ खेती जारी रख पाए। आज, वह अपने गांव के दूसरे किसानों को भी अपनी फसल का बीमा कराने के लिए जोरदार तरीके से प्रोत्साहित करते हैं और कहते हैं कि पीएमएफबीवाई मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। पीएमएफबीवाई फसल के नुकसान के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा देता है और किसानों की आय को स्थिर करने में मदद करता है। यह आधुनिक खेती के तरीकों, फसल विविधीकरण और उत्पादन से जुड़े जोखिमों का सामना करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

किसानों के लिए व्यापक कवरेज

पीएमएफबीवाई तय पात्रता शर्तों के आधार पर किसानों (जिसमें किराए पर खेती करने वाले और बटाईदार किसान भी शामिल हैं) को व्यापक फसल बीमा कवरेज देता है। किसानों के पास बीमा योग्य हित, जमीन के वैध दस्तावेज़ या पट्टे के समझौते या राज्य-विशेष की पहले से तय जरूरतों के अनुसार बुवाई के प्रमाण-पत्र होने चाहिए और उन्हें तय समय-सीमा के भीतर आवेदन करना होगा। जोखिम का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, पीएमएफबीवाई खेती से जुड़े सभी तरह के किसानों—चाहे उन्होंने ऋण लिया हो या नहीं—को कवर करता है। गैर-ऋणी किसान वे होते हैं जिन्होंने फसल के लिए कोई ऋण नहीं लिया है या जिनके पास नॉन-स्टैंडर्ड किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जुड़े ऋण हैं। वे फसल बीमा कवरेज के लिए पीएमएफबीवाई के तहत अपनी मर्जी से पंजीकृत कर सकते हैं। पिछले 10 सालों में, औसतन 50त्न किसानों ने गैर-ऋणी किसानों के तौर पर अपनी इच्छा से पंजीकरण किया है, जिससे इस योजना में किसानों का भरोसा बढ़ा है। ऋणी किसान वे होते हैं जो बैंकों या वित्तीय संस्थानों से

मौसमी फसल ऋण लेते हैं, और उनके ऋण या केसीसी चालू और स्टैंडर्ड होते हैं। उनके प्रीमियम संबंधित बैंकों द्वारा ऋण की रकम से अपने-आप काट लिए जाते हैं। पीएमएफबीवाई आम तौर पर फसल को नुकसान या बर्बादी पहुंचाने वाली सभी प्राकृतिक और मौसमी आपदाओं के लिए व्यापक जोखिम कवर देता है, बशर्ते फसल का बीमा कराया गया हो और तय समय-सीमा के भीतर बीमा कंपनी को प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया हो। हालांकि, गैर-नोटिफाइड इलाकों में फसल का नुकसान, कवर की गई फसल की लाइफ-साइकिल के बाहर (यानी, बुवाई से पहले और खेत से फसल हटाने के बाद) होने वाला नुकसान, और लापरवाही या इंसानों की वजह से होने वाले या रोके जा सकने वाले रिस्क से होने वाले नुकसान इसमें कवर नहीं किए जाते हैं।

जोखिम कवर

पीएमएफबीवाई खेती और कटाई के अलग-अलग चरणों में फसल के नुकसान के खिलाफ कवरेज देता है:

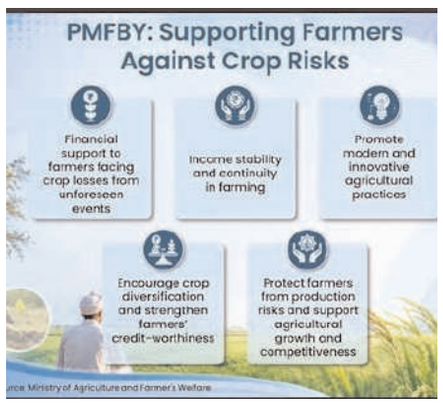

पैदावार में नुकसान (खड़ी फसलें, अधिसूचित क्षेत्र के आधार पर): पीएमएफबीवाई सूखे, बारिश न होने, बाढ़, जल-जमाव, चक्रवात, ओलावृष्टि, बिजली गिरने, कीटों और बीमारियों जैसे जोखिमों के खिलाफ क्षेत्र-आधारित कवरेज देता है, जिन्हें रोका नहीं जा सकता।

बुआई न हो पाना: जिन बीमित किसानों ने खर्च तो किया है लेकिन खराब मौसम के कारण बुआई नहीं कर पाए, वे बीमित राशि के अधिकतम 25त्न तक के दावे के हकदार होंगे।

कटाई के बाद का नुकसान: खेत में सूखने के लिए काटकर फैलाई गइ फसलों को कटाई के बाद 14 दिनों तक खास चक्रवाती और बेमौसम बारिश की घटनाओं से होने वाले नुकसान के खिलाफ कवर किया जाता है।

स्थानीय आपदाएं: ओलावृष्टि, भूस्खलन, जल-जमाव, बादल फटने और प्राकृतिक आग से खेत-स्तर पर होने वाले नुकसान को खास शर्तों के तहत कवर किया जाता है।

हालांकि, पीएमएफबीवाई में युद्ध, परमाणु जोखिम, दंगे, चोरी, कटाई के बाद की खास स्थितियों और रोके जा सकने वाले अन्य जोखिमों से होने वाले नुकसान शामिल नहीं हैं।

पीएमएफबीवाई के तहत प्रगति और उपलब्धियां

हाल के वर्षों में पीएमएफबीवाई के तहत किसानों की भागीदारी, बीमा कवरेज और संस्थागत पहुंच में काफी विस्तार हुआ है। किसान खरीफ फसलों के लिए अधिकतम 2त्न और रबी की अनाज व तिलहन फसलों के लिए 1.5त्न प्रीमियम देते हैं। वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के लिए अधिकतम प्रीमियम 5त्न है। केंद्र और राज्य सरकारें बाकी प्रीमियम का खर्च 50:50 के अनुपात में सब्सिडी के तौर पर उठाती हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के किसानों के लिए, केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी का योगदान 90:10 के अनुपात में होता है। प्रीमियम का यह किफायती ढांचा देश भर के किसानों के एक बड़े हिस्से तक फसल बीमा पहुंचाने में मददगार साबित हुआ है।

पीएमएफबीवाई को अभी खरीफ 2026 में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा रहा है।

शुरुआत से अब तक, 92.46 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावे दिए गए हैं।

खरीफ 2025 में, फसल बीमा के तहत 229.77 लाख किसानों और 269.38 लाख हेक्टेयर जमीन को कवर किया गया, जिससे फसल से जुड़े जोखिमों के खिलाफ़ सुरक्षा मिली। खरीफ 2026 के लिए किसानों का एनरोलमेंट और बीमा किया गया क्षेत्र, खरीफ 2025 के स्तर से पहले ही आगे निकल गया है। 27 अगस्त 2026 तक, 241.38 लाख किसानों और 278.12 लाख हेक्टेयर जमीन का बीमा किया जा चुका है, जो फसल बीमा कवरेज के लगातार बढ़ते दायरे को दिखाता है।

खरीफ 2025 के लिए, 60.89 लाख पात्र किसानों को ?9,837.61 करोड़ के दावे पहले ही दिए जा चुके हैं, जिससे फसल के नुकसान के खिलाफ जरूरी आर्थिक मदद मिली है।

2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर नामांकन अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जिसमें 15.23 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों के जरिए 4 करोड़ से ज्यादा किसानों का बीमा किया गया और 623 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन को कवर किया गया।

इस योजना में किराएदार और बटाईदार किसानों को भी शामिल किया गया है और उन्हें कवर किया जाता है। 2018 से अब तक, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मिलाकर ऐसे 1.44 करोड़ से ज्यादा किसानों का एनरोलमेंट किया गया है।

राज्यों के स्तर पर प्रगति और अहम बातें

बड़े राज्यों का फिर से शामिल होना बढ़ते भरोसे को दिखाता है पीएमएफबीवाई फ्रेमवर्क में राज्य सरकारों का भरोसा काफी बढ़ा है। इसका प्रमाण यह है कि खेती के लिए अहम वे बड़े राज्य, जिन्होंने पहले इससे किनारा कर लिया था या फसल राहत के लिए अपनी खुद की गैर-बीमा योजनाएं शुरू की थीं, वे अब व्यवस्थित तरीके से इसमें वापस लौट रहे हैं।

आंध्र प्रदेश खरीफ 2022 से फिर से शामिल हुआ।

झारखंड खरीफ 2024 से फिर से शामिल हुआ।

पश्चिम बंगाल खरीफ 2026 से फिर से शामिल हुआ।

बिहार ने राष्ट्रीय योजना में वापस आने और रबी 2026-27 सीज़न से पीएमएफबीवाई को लागू करने का फैसला किया है।

वापसी का यह दौर उस बेजोड़ कार्यक्षमता और वित्तीय सुरक्षा कवच को दिखाता है जो क्षेत्रीय गैर-बीमा राहत मॉडल की तुलना में यह केंद्रीय योजना प्रदान करती है।

महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में सार्वभौमीकरण बंद होने का प्रभाव :

क्षेत्रीय नामांकन प्रवृत्तियों पर एक विस्तृत नजर डालने से पता चलता है कि 2025-26 सीजन के दौरान बीमित किसान आवेदनों में मध्यम राष्ट्रीय गिरावट मुख्य रूप से महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में केंद्रित है, जो योजना में किसानों के विश्वास में किसी व्यापक गिरावट का संकेत देने के बजाय कार्यान्वयन पद्धति में बदलाव के कारण है। दोनों राज्यों ने पहले 2023 और 2024 के दौरान सार्वभौमिकीकरण दृष्टिकोण लागू किया था, जहां राज्य सरकार ने सभी किसानों की ओर से प्रीमियम का 100त्न वहन किया था, जिससे खरीफ 2024 में बहुत अधिक नामांकन हुआ था।

2025 में, दोनों राज्यों ने इस 100त्न किसान प्रीमियम सब्सिडी दृष्टिकोण को बंद कर दिया, जिससे किसानों के नामांकन में अपेक्षित गिरावट आई:

खरीफ 2025 में, आंध्र प्रदेश में किसानों का नामांकन 77त्न गिर गया (खरीफ 2024 में 31.92 लाख से खरीफ 2025 में 7.43 लाख)। खरीफ 2026 में, प्रवृत्ति उलट गई है, और 28 अगस्त 2026 तक, 16.22 लाख किसानों को नामांकित किया गया है, जो खरीफ 2025 सीजन की तुलना में 108त्न की वृद्धि दर्शाता है।

इसी तरह, खरीफ 2025 में, महाराष्ट्र में किसानों का नामांकन 40त्न कम हो गया (खरीफ 2024 में 76.59 लाख से खरीफ 2025 में 45.99 लाख)। खरीफ 2026 में 28 अगस्त 2026 तक 42.55 लाख किसानों का नामांकन हुआ है, जो खरीफ 2025 सीजन के 92त्न तक पहुंच गया है। मध्यम गिरावट राज्य द्वारा योजना से कुछ ऐड-ऑन दावों को बाहर करने के कारण है।

अन्य प्रमुख राज्यों में लगातार और मजबूत बढ़ोतरी

इन राज्यों की खास, स्थानीय नीतियों के कारण हुए बदलावों के बिल्कुल उलट, खरीफ 2025 के दौरान अन्य प्रमुख कृषि राज्यों में किसानों के पंजीकरण में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई:

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 35त्न की बढ़ोतरी हुई, जहां बीमा कराने वाले किसानों की संख्या 15.48 लाख से बढ़कर 20.84 लाख हो गई।

हरियाणा में लगातार बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहा और इसमें 20त्न की वृद्धि हुई; खरीफ 2024 में 3.75 लाख किसानों के मुकाबले खरीफ 2025 में 4.49 लाख किसानों का बीमा किया गया (यह 2023 और 2024 के बीच हुई 82त्न की शानदार बढ़ोतरी के बाद हुआ)।

राजस्थान में 19त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे बीमा कराने वाले किसानों की संख्या 30.59 लाख से बढ़कर 36.45 लाख हो गई।

मध्य प्रदेश में 12त्न की बढ़ोतरी हुई और बीमा कराने वाले किसानों की संख्या 26.80 लाख तक पहुंच गई।

छत्तीसगढ़ में बीमा कराने वाले किसानों की संख्या में 9त्न की बढ़ोतरी हुई और यह 15.75 लाख हो गई।

ओडिशा में 5त्न की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे बीमा कराने वाले किसानों की कुल संख्या 24.92 लाख हो गई।

लगातार दिख रहे ये सकारात्मक दो-अंकीय (स्नश्वह्वड्डद्व-स्नद्बद्दद्बह्ल) रुझान भारत के मुख्य कृषि क्षेत्रों में कृषि जोखिम कवर के लिए मजबूत और खुद से पैदा हुई मांग को दर्शाते हैं।

पीएमएफबीवाई को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए सरकार की मुख्य पहल

पीएमएफबीवाई को एक मजबूत डिजिटल और शासन व्यवस्था (गवर्नेंस सिस्टम) के जरिए लागू किया जा रहा है, जो फसल बीमा की पारदर्शी, समय पर और सटीक सेवाएं सुनिश्चित करता है। नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल (एनसीआईपी) किसानों के डिजिटल पंजीकरण, सब्सिडी प्रबंधन, तालमेल और जानकारी फैलाने में मदद करता है। यह बीमा कराए हुए किसानों की जानकारी देखने, सही क्लेम का हिसाब लगाने और दावे की रकम सीधे किसानों के बैंक खातों में इलेक्ट्रॉनिक तरीके से भेजने की सुविधा भी देता है। एनसीआईपी के साथ जमीन के रिकॉर्ड को जोड़ना: इससे राज्य के ई-लैंड रिकॉर्ड के जरिए बीमा वाले इलाकों की पुष्टि हो पाती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा राज्यों में ज़मीन के रिकॉर्ड की डिजिटल पुष्टि लागू की जा रही है। इन राज्यों में बीमा वाले इलाके का लगभग 85त्न हिस्सा अब एकीकृत जमीन रिकॉर्ड के जरिए वेरिफाई किया जाता है, ताकि जमीन के टुकड़े, बीमा वाले इलाके और किसान की सही पहचान हो सके।

डिजीक्लेम मॉड्यूल: खरीफ 2022 से शुरू किया गया यह मॉड्यूल एनसीआईपी पर दावों की पारदर्शी गणना और निपटान (सेटलमेंट) को संभव बनाता है। दावों को एनसीआईपी के जरिए प्रोसेस किया जाता है और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के जरिए भुगतान किया जाता है। यह किसान स्तर तक दावों की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करने में भी मदद करता है। शुरुआत से अब तक, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए ?55,000 करोड़ से ज्यादा के दावों की गणना और भुगतान किया जा चुका है।

क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट (सीसीई)-एग्री ऐप: यह एनसीआईपी पर सीसीई उपज डेटा को डिजिटल रूप से कैप्चर और अपलोड करने की सुविधा देता है। इस उपज डेटा का इस्तेमाल बीमा इकाई के लिए 'वास्तविक उपज' की गणना करने में किया जाता है, जिसके आधार पर फसल की उपज में नुकसान के कारण देय दावों की गणना की जाती है। यह बीमा कंपनियों को सीसीई देखने की सुविधा भी देता है, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है और दावों का समय पर निपटान सुनिश्चित होता है।

डिजिटल नवाचार फसल बीमा वितरण को मजबूत कर रहे हैं

पीएमएफबीवाई का डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों, बीमाकर्ताओं, वित्तीय संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को एक ही आईटी पारिस्थितिकी तंत्र पर एकीकृत करता है। यह वास्तविक समय की जानकारी साझा करने, पारदर्शी प्रशासन और सुव्यवस्थित फसल बीमा सेवाओं को सक्षम बनाता है। पोर्टल क्षेत्र, फसल और योजना अधिसूचनाओं को डिजिटल बनाता है, मैन्युअल प्रक्रियाओं को कम करता है, और विशेष रूप से दूरदराज के और आर्थिक रूप से कमजोर किसानों के लिए बीमा तक पहुंच में सुधार करता है।

Top of FormBottom of Form

प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली (वाईईएस-टेक) फसल की पैदावार का सही और सटीक अनुमान लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग और तकनीक-आधारित तरीकों का इस्तेमाल करता है। इसे खरीफ 2023 में धान और गेहूं के लिए, और खरीफ 2024 में सोयाबीन के लिए शुरू किया गया था। शुरुआत में वाईईएस-टेक से मिली पैदावार के आंकड़ों को कम से कम 30त्न वेटेज दिया गया था, जिसे अब कुछ राज्यों में बढ़ाकर 50त्न कर दिया गया है।वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम (डब्ल्यूआईएनडीएस) ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर बहुत ही स्थानीय (हाइपर-लोकल) मौसम का डेटा इकट्ठा करने के लिए ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन और ऑटोमैटिक रेन गेज का इस्तेमाल करता है। यह डेटा फलों, सब्जियों और बागवानी फसलों के लिए मौसम-आधारित फसल बीमा योजना को लागू करने; वाईईएस-टेक का इस्तेमाल करके फसल की पैदावार का अनुमान लगाने; आपदा प्रबंधन; मौसम का पूर्वानुमान लगाने; और अन्य पैरामीट्रिक बीमा उत्पादों में मदद करता है।

फसलों की रियल-टाइम तस्वीरें और जानकारी इकट्ठा करना (सीआरओपीआईसी): यह किसी खास बीमा यूनिट में फसल की सामान्य सेहत की समय-समय पर जांच करने के लिए जियो-टैग की गई तस्वीरों का इस्तेमाल करता है। इसका मकसद तस्वीरों के विश्लेषण (पिक्टोरियल एनालिटिक्स) के जरिए फसल के नुकसान का आकलन और पैदावार का अनुमान लगाने में मदद करना भी है, जिसके लिए देश भर में पायलट परियोजना शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है।

कृषि रक्षक पोर्टल और हेल्पलाइन (केआरपीएच) किसानों के लिए एक खास टोल-फ्री हेल्पलाइन (14447) उपलब्ध कराता है, ताकि वे अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें, मदद मांग सकें और फसल बीमा से जुड़ी समस्याओं के समाधान की स्थिति जान सकें। इसे जनवरी 2024 में पूरे देश में शुरू किया गया था और तब से, बीमा कराने वाले किसानों की 26.12 लाख शिकायतों का समाधान 99.66त्न की सफलता दर के साथ किया गया है।

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सभी संबंधित लोगों के बीच फसल बीमा के बारे में जानकारी और समझ को बढ़ाता है। 'ऐप फॉर इंटरमीडियरी एनरोलमेंट' (एआईडीई) उन किसानों का घर बैठे पंजीकरण संभव बनाता है जिन्होंने ऋण नहीं लिया है। यह बीमा मध्यस्थों के जरिए फसल बीमा को ज्यादा सुलभ बनाता है। इसी तरह, 'क्रॉप लॉस असेसमेंट ऐप' (सीएलएपी) का इस्तेमाल स्थानीय आपदाओं के दौरान अलग-अलग खेतों में फसल के नुकसान का डिजिटल रिकॉर्ड रखने के लिए किया जाता है; यह फसल नुकसान के सर्वे के जरिए तेजी से और पारदर्शी तरीके से दावों की गणना और निपटान में मदद करता है। इन तकनीकी बदलावों ने पीएमएफबीवाई को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे किसानों के लिए तेज़ी से एनरोलमेंट, नुकसान का सही आकलन, समय पर क्लेम का निपटान और शिकायतों का असरदार समाधान संभव हो पाया है।

रीस्ट्रक्चर्ड वेदर-बेस्ड क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम (आरडब्ल्यूबीसीआईएस)

पीएमएफबीवाई के साथ-साथ, सरकार खराब मौसम की स्थितियों से होने वाले जोखिमों से निपटने के लिए रीस्ट्रक्चर्ड वेदर-बेस्ड क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम (आरडब्ल्यूसीआईएस) लागू करती है। आरडब्ल्यूसीआईएस मौसम इंडेक्स पर आधारित एक स्कीम है, जिसमें फसल के नुकसान का पता लगाने के लिए असल में हुई पैदावार की कमी के बजाय, तय मौसम के पैमानों का इस्तेमाल 'प्रॉक्सी' (प्रतिनिधि) के तौर पर किया जाता है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जीवन एक कला है, इसे संयम और गुरु आज्ञा के रंगों से मास्टरपीस बनाएं : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज जी

■ परिस्थितियां केवल रंग हैं जीवन की सुंदर तस्वीर बनाना हमारे हाथ में

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। परिस्थितियां केवल रंग हैं, जीवन की तस्वीर कैसी बनेगी यह हमारे विवेक, पुरुषार्थ और भावों पर निर्भर है,उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने जीवन को कला बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इस ब्रह्मांड की एक अनूठी कलाकृति है और इस कलाकृति का कलाकार तथा कर्ता भी स्वयं वही है। परिस्थितियां हमें केवल रंग प्रदान करती हैं, लेकिन उन रंगों से अपने जीवन के कैनवास पर क्या रचना करनी है, यह हमारे हाथ में है। इसलिए परिस्थितियों को दोष देने के बजाय अपनी दृष्टि, विचार, भाव और कर्मों को सुंदर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने कहा कि मुनि श्री समतासागर महाराज के इस संदेश में जीवन को परिस्थितियों के अधीन न मानकर स्वयं अपने जीवन का निर्माता बनने की प्रेरणा दी गई है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली परिस्थितियों को बदलना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन उन परिस्थितियों के बीच अपनी सोच, भावनाओं और कर्मों को किस दिशा में ले जाना है, यह व्यक्ति के हाथ में होता है। जीवन के कैनवास पर अहंकार, आग्रह और अज्ञानता ऐसे पत्थर हैं, जिन्हें साधना और आत्मचिंतन की छैनी से तराशना आवश्यक है। जब अहंकार, आग्रह और अज्ञानता समाप्त होने लगते हैं तो भीतर से शांति, सुख और प्रसन्नता की प्रतिमा स्वयं प्रकट होने लगती है आध्यात्मिक दृष्टि से वही जीवन वास्तविक मास्टरपीस है, जिसमें व्यक्ति अहंकार से शून्य और पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर जीवन जीना सीख जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन की पेंटिंग को बिगाड़ने वाले पांच प्रमुख रंग हैं - दूसरों की मंजूरी पर निर्भरता, निराशा एवं तुलना, अतीत के पछतावे और भविष्य की चिंता, प्रमाद तथा दूसरों को दोष देने की मानसिकता। व्यक्ति को इन रंगों से सावधान रहना चाहिए। दूसरों की राय के आधार पर अपने निर्णय लेना, दूसरों से अपनी तुलना करके निराश होना, 'मैंने ऐसा क्यों किया' और 'मैं ऐसा कब करूंगा' में उलझे रहना, आलस्य एवं शॉर्टकट की प्रवृत्ति तथा अपनी गलतियों का दोष दूसरों पर डालना जीवन की सुंदर तस्वीर को बदरंग कर देता है। संयम की सुरक्षा लेयर जरूरी मुनि श्री ने कहा कि जीवन में सुंदर रंगों का प्रयोग करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। संयम का रंग ऐसी सुरक्षा लेयर है, जो जीवन की पूरी पेंटिंग को सुरक्षित करता है। इसके बिना व्यक्ति कितनी भी सुंदर रचना क्यों न बना ले, वह लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि हमारा मन जीवन के घर का एक महत्वपूर्ण कमरा है। यदि इस कमरे को कोई नाम और उद्देश्य नहीं दिया गया तो वह धीरे-धीरे डंपिंग ग्राउंड बन सकता है, जहां जो भी विचार और भाव आते जाएं, हम उन्हें जमा करते जाएं। इसलिए जीवन की दीवार पर संयम का प्राइमर और गुरु आज्ञा के रंग निरंतर लगाते रहना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि सही ज्ञान से उत्पन्न विचारों को संयम का प्रेम लगाकर जीवन की दीवार पर सजाएं। मन के कमरे में अनुशासन और समता की कुर्सी रखें तथा अनेकांतवाद के फर्श पर अहिंसा का कालीन बिछाएं। जब मन इस प्रकार के श्रेष्ठ संस्कारों से सजता है तो व्यक्ति का जीवन स्वयं एक सुंदर और प्रेरणादायी मास्टरपीस बन जाता है। कैरियर को लेकर भ्रमित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुये मुनि श्री ने कहा कि आज अनेक विद्यार्थी बहुत पढ़ाई और डिग्रियां हासिल करने के बाद भी चौराहे पर खड़े होकर पूछते हैं कि भविष्य में क्या करें।

सांसारिक वैभव क्षणिक, आत्मकल्याण ही जीवन की वास्तविक उपलब्धि : गणधर मुनि विवर्धनसागर जी

■ कोटा में मुनिसंघ द्वारा अभूतपूर्व धर्म प्रभावना

कोटा (विश्व परिवार)। रिद्धि-सिद्धि नगर स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन जिनालय में रक्षाबंधन वात्सल्य पर्व एवं भगवान श्रेयांशनाथ निर्वाण महोत्सव श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज के सुशिष्य गणधर मुनि श्री 108 विवर्धनसागर जी महाराज एवं प्रवर्तक मुनि श्री 108 विश्वनायकसागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री विवर्धनसागर जी महाराज ने जीवन की वास्तविक उपलब्धि, आत्मकल्याण और रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य संसार में सुख और वैभव प्राप्त करने के लिए निरंतर दौड़ता रहता है। धन, संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा को जीवन की सफलता मान लिया जाता है, लेकिन यह सब क्षणिक है। जीवन की वास्तविक उपलब्धि सांसारिक वैभव नहीं, बल्कि आत्मकल्याण है। मनुष्य को यह विचार करना चाहिए कि जीवन की इस यात्रा में उसने अपने लिए क्या संचित किया और अपनी आत्मा को कितना निर्मल बनाया।

उन्होंने कहा कि संसार की प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। आज जो हमारे पास है, वह कल नहीं भी हो सकता। शरीर, धन, पद और प्रतिष्ठा सभी नश्वर हैं, लेकिन आत्मा शाश्वत है। इसलिए हमारी प्राथमिकता ऐसी होनी चाहिए जिससे आत्मा का कल्याण हो और जीवन कर्मों की निर्जरा तथा आत्मशुद्धि की दिशा में आगे बढ़े।

मुनिश्री ने कहा कि तीर्थंकरों का जीवन हमें इसी सत्य का बोध कराता है। उन्होंने राजपाट और सांसारिक वैभव का त्याग कर आत्मकल्याण का मार्ग अपनाया। भगवान श्रेयांशनाथ का निर्वाण कल्याणक हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन का अंतिम लक्ष्य भौतिक सुखों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा के शुद्ध स्वरूप की प्राप्ति है।

उन्होंने कहा कि अहिंसा, सत्य, संयम और करुणा केवल धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने के आधार हैं। यदि हमारे व्यवहार में अहिंसा नहीं है, वाणी में सत्य नहीं है, जीवन में संयम नहीं है और हृदय में करुणा नहीं है तो धर्म की हमारी साधना अधूरी है।

अक्षय निधि घट की तरह आत्मा रूपी घट को भी ज्ञान से भरने का करें पुरुषार्थ : मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी

■ विवेकानंद नगर में 16 दिवसीय अक्षय निधि समवशरण विजय कषाय तप शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में आत्मकल्याण की भावना से तप-साधना की श्रृंखला जारी है। 31 अगस्त से परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. आदि थाणा की पावन निश्रा में 16 दिवसीय अक्षय निधि समवशरण विजय कषाय तप का शुभारंभ हुआ। सुबह 8.30 बजे मंगल कलश की स्थापना की गई। इसके बाद आयोजित धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने जिनवाणी का लाभ लिया।

धर्मसभा में मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने कहा कि 16 दिनों तक चलने वाले इस तप में प्रतिदिन अक्षय निधि घट को भरने के लिए श्रद्धालु आएंगे और उसमें अक्षत व उत्तम द्रव्य अर्पित करेंगे। इसी तरह मनुष्य को अपनी आत्मा रूपी घट को ज्ञान से भरने का पुरुषार्थ करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आत्मा को ज्ञान रूपी वर्षा से नहीं भिगोया तो तप और साधना का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। ज्ञान के बिना दर्शन की शुद्धि संभव नहीं है। आत्मा को ज्ञान से रंजित किए बिना भव का सुधार नहीं हो सकता।

मुनिश्री ने कहा कि अक्षय निधि तप केवल द्रव्य और अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे भावों के साथ जोड़ना जरूरी है। जब तक आत्मा रूपी घट ज्ञान से नहीं भरेगा, तब तक कषायों पर विजय प्राप्त करना कठिन है। तप को भावों से जोड़कर साधना करने पर ही यह आत्मा को अंतिम लक्ष्य मोक्ष की ओर ले जा सकती है।

पर्युषण महापर्व पर मानव सेवा प्रकल्प नि:शुल्क जयपुर पैर वितरण व कृत्रिम हाथ शिविर

■ श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में श्री पर्युषण पर्व पर आठ दिनों तक प्रभु भक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में 8 सितम्बर से पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर धर्म आराधना के साथ ही मानव सेवा के कार्य किये जाएंगे । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जैन धर्म में मानव सेवा जीव दया करुणा का विशेष महत्व है । पर्युषण पर्व के अवसर पर पैर कटे दिव्यांगों को श्री विनय मित्र मण्डल के सहयोग से जयपुर पैर प्रदान किए जावेंगे । इस हेतु पैर कटे भाई बहनों का परीक्षण हो रहा है , वर्कशॉप में उनके नाप के कृत्रिम पैर बनाए जा रहे हैं । पैर कटने से जिंदगी थम सी जाती है पुन: पैर लगाकर उन्हें चलाया दौड़ाया जाएगा । ट्रस्टी नीलेश गोलछा व टीकम जैन ने बताया कि बुजुर्गों को जैन संवेदना ट्रस्ट के माध्यम से श्रवण यन्त्र दिए जा रहे हैं जिन बुजुर्गों को कम सुनाई देता है वे प्रात: श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर भैरव सोसायटी में सम्पर्क कर सकते हैं । महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि ट्रस्ट द्वारा शीघ्र ही हाथ कटे दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ देने नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया जावेगा। ट्रस्टी जय सांखला व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि प्रभु भक्ति की श्रंखला में पर्युषण पर्व के 8 दिनों में विभिन्न भक्ति मण्डलों की मनमोहक प्रस्तुति होगी।

अक्षय निधि समोशरण एवं विजय कषाय तपस्या आम्रपाली चातुर्मास में प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री शांति कल्याण चातुर्मास समिति आम्रपाली के अंतर्गत अध्यात्म सम्राट दीक्षा धर्म के महानायक श्रीमद् विजय योगतिलक सुरिश्वर जी के सुशिष्यरत्न मुनिराज परम पूज्य श्री शांतिलक विजय जी आदि ठाणा 8 एवं परम पूज्य साध्वी श्री ज्ञान दर्शिता श्री जी आदि ठाणा 9 की निश्रा में आज दिनांक 31 अगस्त 2026 से तपस्या प्रारंभ हुई। एकसना एवं आयम्बिल की व्यवस्था श्री संघ की भोजनशाला में की गई है। जानकारी देते हुए समिति के सचिव अनिल बरडिया ने बताया कि पर्वाधिराज पर्युषण पर्व दिनांक 8 सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं। 10 सितंबर को श्री संघ में कल्पसूत्र वोहराने एवं पांच ज्ञान की पूजा के आदेश दिए जाएंगे तत्पश्चात 11 सितंबर से मुनिराज के मुखारविंद से कल्पसूत्र का श्रवण प्रारंभ होगा। 12 सितंबर शनिवार को प्रात: 9:00 बजे भगवान महावीर के जन्म वाचन के चढ़ावे बोले जाएंगे। 15 सितंबर को संवत्सरी महापर्व पर बारसा सूत्र का वाचन होगा एवं 16 सितंबर को क्षमा याचना पर्व संवत्सरी होगी। प्रतिदिन परमात्मा प्रभु अभिनंदन स्वामी की मनभावन आंगी, प्रवचन, एकासना, आयम्बिल एवं प्रतिक्रमण रात्रि परमात्मा भक्ति होगी। 64 प्रहरी पौषध की व्यवस्था भी श्री सघं में होगी। 6 सितंबर रविवार को दोपहर 3 बजे समस्त लाभार्थियों के बहुमान का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मल्लीचंद बैद ने सभी धर्मानुरागियों से समस्त कार्यक्रमों में पधारने की विनती की है।

सीआरपीएफ ने छात्रों को किया पौधे वितरण, पौधरोपण कर हरियाली का दिया संदेश

आरंग (विश्व परिवार)। डीआईजी, ग्रुप केन्द्र भिलाई, रायपुर के निर्देशन एवं डिप्टी कमांडेंट अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीआरपीएफ जवानों द्वारा आरंग में पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कम्प्यूटर च्वाइस सेंटर के 150 विद्यार्थियों को फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर जवानों ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और पौधों के महत्व के बारे में जानकारी दी।इसके साथ ही स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों एवं बच्चों के साथ मिलकर तालाब किनारे बादाम के पौधे रोपित कर हरियाली का संदेश दिया।सीआरपीएफ जवानों ने कहा कि पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना जरूरी है। बच्चों ने भी एक-एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में कमांडेंट आशीष यादव, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सहित अन्य जवान तथा पीपला वेलफेयर फाउंडेशन से दूजेराम धीवर, यादेश देवांगन, महेन्द्र कुमार पटेल, कोमल लाखोटी, नीरज साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हाथों में पौधे लेकर संदेश परक नारे लगाए।

अशोक जैन को प्रजापिता ब्रम्हकुमारी संस्थान की बहनों ने राखी बांधी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भाई बहनों के पवित्र आपसी स्नेह व अपनापन का पर्व रक्षाबंधन के पावन अवसर पर स्थानीय नगर में हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में राखी का त्यौहार मनाया गया।

रक्षाबंधन पर जहां घर में बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर जीवन पर्यंत रक्षा करने एवं साथ निभाना का संकल्प लेती है, व स्थानीय धार्मिक संस्थान प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्थान की बहनों ने नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सभी भाई बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

साधु-संतों की कथाएं केवल सुनने के लिए नहीं, जीवन में उतारने के लिए हैं : साध्वी मंजुलाश्रीजी

■ अक्षयनिधि, समवसरण और कषायविजय तप की 15 दिवसीय आराधना शुरू, 325 तपस्वियों ने लिया संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्कांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशल जैन दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने सोमवार को कहा कि साधु-संतों द्वारा सुनाई जाने वाली कथा और प्रसंग केवल श्रवण के लिए नहीं होते। इनका उद्देश्य आध्यात्मिक और जीवन से जुड़ी गहरी बातों को सरल तरीके से समझाना होता है, ताकि व्यक्ति उन्हें आसानी से समझकर अपने जीवन में उतार सके।

साध्वीश्री ने कहा कि धर्म की कई बातें सीधे समझना कठिन हो सकती हैं, इसलिए संत उदाहरण और कथाओं के माध्यम से जीवन की सच्चाई को सहज रूप में समझाते हैं। इन प्रसंगों में केवल कहानी नहीं होती, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली सीख छिपी होती है।

उन्होंने कहा कि हमें गुरु के वचनों का सम्मान करना चाहिए। प्रवचन सुनकर केवल कुछ समय के लिए प्रभावित होना पर्याप्त नहीं है। जो बात भीतर तक पहुंच जाए, उस पर चिंतन करना और उसे अपने व्यवहार में उतारना जरूरी है। यदि किसी कथा के माध्यम से हमें अपनी कोई कमी दिखाई दे और हम उसे सुधारने का प्रयास करें, तभी उसका श्रवण सार्थक माना जाएगा।

साध्वीश्री ने कहा कि गुरु के वचन जीवन के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं। जरूरत इस बात की है कि हम उन्हें केवल कानों से न सुनें, बल्कि मन से समझें और आचरण में उतारें।

गुरु परंपरा साधना की जीवंत धारा है : मुनि श्री सुप्रभसागर

■ चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एवं उनकी गुरु परंपरा पर राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी अभूतपूर्व सफलता के साथ संपन्न

■ सोलापुर में पहली बार हुआ राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी का आयोजन

सोलापुर, महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एवं उनकी गुरु परंपरा के विविध आयामों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी 29 एवं 30 अगस्त 2026 को सोलापुर में अभूतपूर्व सफलता एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सोलापुर नगर गौरव श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री विप्रज्ञसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में आयोजित इस संगोष्ठी का आयोजन श्री मातृभूमि पावसयोग समिति, सोलापुर के तत्वावधान में महावीर सांस्कृतिक भवन, शुक्रवार पेठ, सोलापुर में किया गया। संगोष्ठी का निर्देशन डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत ने किया तथा संयोजकत्व डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर ने संभाला।

चार सत्रों में हुआ गहन विद्वत्चिंतन

दो दिवसीय संगोष्ठी के चार सत्रों में देश के विभिन्न नगरों से आए कुल 16 विद्वानों ने अपने शोधालेख प्रस्तुत किए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत ने की तथा संचालन डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर ने किया। इस सत्र में डॉ. आशीष शास्त्री, बम्होरी-दमोह, डॉ. शैलेश जैन शास्त्री, उदयपुर तथा डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन, टीकमगढ़ ने शोधालेख प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. नरेन्द्र कुमार जैन, टीकमगढ़ ने की और संचालन राजेन्द्र महावीर, सनावद ने किया। इस सत्र में डॉ. महावीर शास्त्री, सोलापुर, डॉ. ज्योति जैन, खतौली, पंडित दिनेश जैन, भिलाई, पंडित अनन्त बल्ले, सोलापुर, डॉ. पंकज जैन, इंदौर तथा ब्र. जय निशान्त जैन, टीकमगढ़ ने अपने शोधालेख प्रस्तुत किए।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता ब्र. जय निशान्त जैन, टीकमगढ़ ने की तथा संचालन डॉ. पंकज जैन, इंदौर ने किया। इस सत्र में डॉ. ममता जैन, पुणे, पंडित वैभव मैत्रेय, जालना, राजेन्द्र महावीर, सनावद तथा डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत ने शोधालेख प्रस्तुत किए। चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत ने की तथा संचालन डॉ. आशीष जैन शास्त्री, बम्होरी ने किया। इस सत्र में डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर, पंडित अजित जैन, सोलापुर तथा ब्र. पीयूष भैया विदिशा ने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

गुरु परंपरा के गौरव और श्रमण चर्या पर केंद्रित रहा विमर्श : संगोष्ठी में आचार्य श्री आदिसागर अंकलीकर, आचार्य श्री महावीरकीर्ति, आचार्य श्री विमलसागर, आचार्य श्री भरतसागर, आचार्य श्री सन्मतिसागर, गणाचार्य श्री विरागसागर तथा चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एवं उनके उपसंघ तथा सोलापुर नगर गौरव श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज के व्यक्तित्व, कृतित्व, साधना, साहित्य एवं गुरु-परंपरा पर केंद्रित शोधालेख प्रस्तुत किए गए।

दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा, स्वर्गीय उर्मिला राणा को दी श्रद्धांजलि

■ स्वर्गीय उर्मिला राणा को विधायक पुरन्दर मिश्रा ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने भाजयुमो फफाडीह मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष कृष्ण राणा जी के निवास पर आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर उनकी पूज्यनीय माताजी स्वर्गीय उर्मिला राणा जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि माता का स्नेह और आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होता है। उनके निधन से परिवार एवं समाज को हुई अपूरणीय क्षति अत्यंत दु:खद है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में हर संभव सहयोग एवं साथ का भरोसा दिलाया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति, संबल एवं धैर्य प्रदान करें। इस अवसर पर परिवारजन, भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, मंगलवार 01 सितंबर 2026

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की निष्पक्ष समीक्षा की मांग, गंगाजल से मंच शुद्धिकरण मामले में भी कार्रवाई की उठी आवाज

गरियाबंद में कांग्रेसियों ने सिटी कोतवाली में प्रदर्शन कर थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन, राजनीतिक दबाव से मुक्त जांच की मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर के विरोध में तथा उत्तराखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं से जुड़ी कथित घटनाओं में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गरियाबंद स्थित सिटी कोतवाली में प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर पूरे मामले में निष्पक्ष जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर दुर्भावनापूर्ण है और इसकी निष्पक्ष समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआईआर किन आधारों और परिस्थितियों में दर्ज की गई, इसकी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच आवश्यक है। कांग्रेसियों ने मांग की कि यदि एफआईआर के आधार उचित नहीं पाए जाते हैं तो उसे निरस्त किया जाए।

प्रदर्शन के दौरान उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान से जुड़ी कथित घटना का भी उल्लेख किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मंच को गंगाजल से साफकरने जैसी घटना सामाजिक एवं राजनीतिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। इस मामले की भी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई।

कांग्रेसियों ने कहा कि कानून का पालन सभी के लिए समान होना चाहिए। किसी भी मामले में राजनीतिक दबाव या पक्षपात के आधार पर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड की संबंधित घटनाओं में भी दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग रखी।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें- कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवेदन के माध्यम से मांग की कि राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष समीक्षा कर उचित निर्णय लिया जाए। एफआईआर के आधार एवं परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उत्तराखंड में खड़गे से जुड़ी कथित घटना सहित संबंधित मामलों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर और कार्रवाई की जाए। साथ ही कानून का पालन राजनीतिक दबाव एवं पक्षपात से मुक्त होकर समान रूप से सुनिश्चित किया जाए।

कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और युवाओं के बीच उनकी सक्रियता से घबरा गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की कथित विफल नीतियों से उत्पन्न समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक कार्रवाई का सहारा लिया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निष्पक्ष जांच और कानून के समान अनुपालन की मांग को लेकर अपनी बात रखी।

सड़क किनारे काल बनकर खड़ी हाइवा ट्रक से टकराई बाइक : युवक की दर्दनाक मौत, दो महिलाएं गंभीर, प्रशासन की लापरवाही पर उठे सवाल

भानुप्रतापपुर। नगर के मुख्य मार्ग पर बेतरतीब खड़े भारी वाहन अब राहगीरों के लिए 'चलते-फिरते काल' साबित होने लगे हैं। शनिवार सुबह भानुप्रतापपुर के अंतागढ़ रॉड स्थित सीटी ढाबा के पास एक भीषण सड़क हादसे में अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़ी हाइवा ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठी दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में सड़क किनारे खड़े रहने वाले भारी वाहनों और पुलिस-प्रशासन की उदासीनता को लेकर भारी आक्रोश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम किनारी निवासी तिलक कुमेटी शनिवार सुबह अपनी मोटरसाइकिल पर दो महिला को बैठाकर किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक भानुप्रतापपुर स्थित सीटी ढाबा के पास पहुंची, सड़क पर पहले से खड़ी एक हाइवा ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुर्घटना के समय हुए जोरदार धमाके को सुनकर आसपास के लोग सिहर उठे। हादसे में तिलक कुमेटी को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक सवार दोनों महिलाएं खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ीं। 112 की टीम ने घायलों को पहुंचाया अस्पतालः घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने बिना देर किए आपातकालीन सेवा डायल 112 को सूचना दी। खबर मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और लहूलुहान हालत में पड़ी दोनों महिलाओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा दोनों महिलाओं का आपातकालीन उपचार किया जा रहा है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद भानुप्रतापपुर नगर में सड़क किनारे बेतरतीब खड़े होने वाले भारी वाहनों का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सीटी ढाबा और आसपास के इलाकों में आए दिन दर्जनों हाइवा और भारी ट्रक मुख्य मार्ग पर ही पार्क कर दिए जाते हैं।

दलपत सागर के कायाकल्प की तैयारी

एनएमडीसी नगरनार और नगर निगम के बीच हुआ एमओयू

50 लाख रुपए की सीएसआर राशि से हटेगी जलकुंभी

जगदलपुर/ बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर दलपत सागर को स्वच्छ, सुंदर और जलकुंभी मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन और जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव व महापौर श्री संजय पाण्डे के सतत प्रयासों के फलस्वरूप जगदलपुर नगर निगम और एनएमडीसी नगरनार इस्पात संयंत्र के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू संपन्न हुआ है। इस समझौते के तहत एनएमडीसी नगरनार द्वारा अपने सीएसआर मद से दलपत सागर के संरक्षण और सफाई कार्य के लिए कुल 50 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से प्रथम चरण के कार्यों के लिए 20 लाख रुपए की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है।

दलपत सागर में लंबे समय से फैली जलकुंभी नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए गहरी चिंता का विषय बनी हुई थी। अब इस वित्तीय सहयोग के जरिए जगदलपुर नगर निगम पूरी कार्ययोजना के साथ सघन सफाई अभियान चलाएगा, जिससे जलकुंभी को हटाकर इस विशाल सरोवर को उसका नैसर्गिक स्वरूप लौटाया जा सके। एमओयू के दौरान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त श्री प्रवीण वर्मा और एनएमडीसी नगरनार की ओर से अधिशासी निदेशक श्री टीपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक श्री बान सिंह यादव, सहायक महाप्रबंधक श्री विनोद पांडे उपस्थित रहे।

प्लेटफॉर्म बदलने की मांग, यात्रियों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुरः- बस्तर क्षेत्र के यात्रियों को हो रही असुविधा को लेकर स्थानीय नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को बस्तर सांसद महेश कश्यप से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ट्रेन संख्या 18515 विशाखापट्टनम जगदलपुर एक्सप्रेस का जगदलपुर रेलवे स्टेशन पर आगमन प्लेटफॉर्म नंबर 3 के स्थान पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 में सुनिश्चित कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद महेश कश्यप को बताया कि विशाखापट्टनम से जगदलपुर आने वाली उक्त ट्रेन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर आने के कारण यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलने के लिए सीढ़ियों एवं फुट ओवरब्रिज का उपयोग करना पड़ता है। इससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, मरीजों, दिव्यांगजनों तथा भारी सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बस्तर क्षेत्र से बड़ी संख्या में मरीज बेहतर उपचार के लिए विशाखापट्टनम जाते हैं। उपचार के बाद जब वे वापस लौटते हैं तब बीमारी अथवा शारीरिक कमजोरी की स्थिति में प्लेटफॉर्म नंबर-3 से सीढ़ियां चढ़ना-उतरना उनके लिए बेहद कष्टदायक हो जाता है। ऐसे में यात्री सुविधा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 18515 का आगमन स्थायी रूप से प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर किया जाना आवश्यक है। सांसद महेश कश्यप ने त्वरित पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं एवं मांग को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि यात्रियों की यह मांग जनहित से जुड़ी और पूरी तरह जायज है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे इस विषय में ईस्ट कोस्ट रेलवे के उच्च अधिकारियों एवं वाल्टेयर रेल डिवीजन के डीआरएम से चर्चा करेंगे तथा ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर1 पर लाने के लिए हर संभव त्वरित प्रयास करेंगे। सांसद श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है और यात्रियों की सुविधा से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण विषयों को संबंधित रेलवे अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में बस्तर रेल विकास समिति के सदस्यों में पार्षद व जिला उपाध्यक्ष नरसिंह राव, बी रामेश्वर राव, नीरज उस्तान, एवी रामा राव, राजेश साव, एन वेणुगोपाल, पी रंगा आचार्य, अनुप सोनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, रेल यात्री एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि सांसद महेश कश्यप की पहल से ट्रेन संख्या 18515 का प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आगमन सुनिश्चित होगा जिससे बस्तर के हजारों रेल यात्रियों को राहत मिलेगी।

भाजपा की राधिका ने पुलिस भाईयों को बांधी राखी भाईयों ने बहन की रक्षा की वचन दिए

भटगांव। सारंगढ़ जिला मुख्यालय के कोसीर थाना में पदस्थ पुलिस कर्मी भाईयों को रक्षा बंधन पर सारंगढ़ महिला मोर्चा जिला सोशल मीडिया प्रभारी राधिका चंद्रा ने अपने साथियों के साथ सुबह कोसीर थाना पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधे और मिठाई खिलाकर आशीर्वाद ली। भाजपा की राधिका चंद्रा पिछले 10 वर्षों से कोसीर थाना पहुंचकर राखी बांध रही है। राधिका कहती हैं पुलिस भाई अपने घर परिवार नहीं जा पाते वे अपने परिवार से दूर रहते हैं उनको परिवार की कमी न हो यह अवधारणा के साथ रक्षा बंधन पर मै भाईयों को राखी बांधती हूं मुझे बहुत खुशी होती है । वही सहायक उप निरीक्षक केश राम जांगड़े ने रक्षा बंधन पर्व पर बहन को आशीर्वाद देते हुए कहा हमें खुशी है कि आप आएं हैं कहते हुए अपने बहन की रक्षा का वचन दिए। राधिका परिमल चंद्रा ने थाना के पुलिस कर्मी प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षक उमा शंकर ठाकुर, केश राम जांगड़े, प्रधान आरक्षक छत्रपति जोल्हे, भीम सेन सिदार, चंद्र पाल दास महंत, आरक्षक सुरेश बर्मन, प्रदीप रात्रे और भाजपा के परिमल चंद्रा पूर्व मंडल अध्यक्ष कोसीर प्रदेश कार्य समिति सदस्य किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ सह प्रभारी जिला रायगढ़, बाबूलाल लहरे कार्यालय प्रभारी कोसीर उपस्थित रहे।

जिला पुलिस बल एवं सीआईएसएफ के जवानों के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का पावन पर्व

किरंदुल। एनएमडीसी किरंदुल परियोजना एवं नगर की सुरक्षा हेतु तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल एवं पुलिस थाना किरंदुल के जवानों की कलाईयां सुनी न रह जाये व बहनों के स्नेह की कमी महसूस न हो, इस भावना के साथ बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मन्दिर और गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष जिला पुलिस बल एवं सीआईएसएफ जवानों के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया जाता है। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी इसी पुनीत परंपरा को कायम रखते हुए रक्षाबंधन के अति पावन अवसर पर दोनों धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं, डीएवी पब्लिक स्कूल एवं नगरपरिवार के सर्व समाज की बहनों द्वारा राखियां बांधकर भाइयों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं एवं दीर्घ, खुशहाल जीवन की मंगल कामनाएं की गई। इस अवसर पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अविनाश ठाकुर, थाना प्रभारी संजय यादव, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रियम गंगवाल, नवीन सिन्हा, सीआईएसएफ इंस्पेक्टर कमल वर्मा, बैलाडीला देवस्थान समिति एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी ए के सिंह, डी पी डेहरिया, राजेन्द्र यादव, पी.सी. जैन, टीकम चंद साहू, राजेंद्र गिरी, बबिता गिरी, कुसुम यादव, डीएव्ही पब्लिक स्कूल की छात्रायें, मातृशक्तियां उपस्थित थे।

226 बटालियन सीआरपीएफमें स्कूली बच्चों ने जवानों संग मनाया रक्षाबंधन; 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

सुकमा। 226 बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कन्या शिक्षा परिषद् स्कूल सुकमा के छात्राओं ने बटालियन परिसर पहुंचकर जवानों के साथ यह त्योहार मनाया। बच्चों ने जवानों की कलाई पर राखियां बांधीं, उनकी लंबी उम्र व सुरक्षा की कामना की और देश सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त किया। अपने परिवारों से दूर तैनात जवानों के लिए यह पल बेहद भावुक और अपनेपन से भरा रहा। इस कार्यक्रम को और खास बनाते हुए स्कूली बच्चों और जवानों ने मिलकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बटालियन परिसर में पौधारोपण किया। बच्चों और जवानों ने कंधे से कंधा मिलाकर पौधे लगाए और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान जवानों और बच्चों के बीच एक खास जुड़ाव देखने को मिला, जहां सभी ने साथ मिलकर बातचीत की, हंसी-खुशी के पल साझा किए और पूरे आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में 226 बटालियन के कमांडेंट एच पी सिंह ने अपने संबोधन में स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और बच्चों का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने कैंप में आकर जवानों के बीच एक पारिवारिक माहौल बनाया। उन्होंने अपने भाषण में बच्चों को राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन कमांडेंट द्वारा बच्चों और शिक्षकों को मिठाई एवं उपहार भेंट करने के साथ हुआ।

बस्तर की माटी से अंतरिक्ष तक गूंज, नन्हे सुरों और हुनर के दम पर चमका टैलेंट तिहार

अर्जुन की तरह लक्ष्य-केंद्रित रहने और स्वामी विवेकानंद के ध्येय वाक्य 'उत्तिष्ठत जाग्रत' को जीवन में उतारने दी प्रेरणा

जगदलपुर/ 'आया मोचो दंतेश्वरी बाबा भैरम आय, कैसा जादू है तेरे बस्तर में' जब तीसरी कक्षा की नन्हीं छात्रा पायल की सुरीली आवाज शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय के सभागार में गूंजी, तो पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से सराबोर हो गया। यह केवल एक लोकगीत की प्रस्तुति नहीं, बल्कि सुदूर वनांचलों से निकलकर मुख्यधारा में अपनी पहचान दर्ज करा रहे बदलते बस्तर के आत्मविश्वास की हुंकार थी। अवसर था जिला प्रशासन एवं समग्र शिक्षा बस्तर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय 'टैलेंट तिहार-प्रतिभा को पंख' सत्र 2026-27 के भव्य समापन समारोह का, जहां स्कूली बच्चों की कला, संगीत और सांस्कृतिक विविधता ने हर किसी को चमत्कृत कर दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने मां सरस्वती और आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि रामायण कालीन दंडकारण्य और महाभारत के दक्षिण कौशल की पावन भूमि बस्तर जल, जंगल और जमीन की अनमोल संपदा से सदैव परिपूर्ण रही है। महामहिम राष्ट्रपति के बजट अभिभाषण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज का वास्तविक विकास अपनी मूल विरासत और संस्कृति को सहेजकर ही संभव है।

बस्तर के युवाओं के सामर्थ्य को रेखांकित करते हुए सांसद श्री कश्यप ने कहा कि इस अंचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। नारायणपुर के बच्चों का मलखंब कौशल, दंतेवाड़ा के युवाओं की घुड़सवारी, राष्ट्रीय खेल पदकों और क्रिकेट से लेकर आधुनिक विज्ञान तक युवाओं का परचम लहरा रहा है। देश के गगनयान मिशन और अंतरिक्ष अनुसंधान में भी बस्तर के नौजवानों की भागीदारी इस बढ़ते कदम का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतीत में भ्रामक विचारधाराओं ने जिस पीढ़ी के हाथों में किताबों की जगह बंदूकें थमा दी थीं, आज वह दौर पूरी तरह बदल चुका है। बस्तर ओलंपिक और टैलेंट तिहार जैसे मंचों से अब युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक दिशा में बह रही है। हमारे आदर्श हिंसक मार्ग नहीं, बल्कि अमर शहीद गेंदसिंह, वीर गुंडाधूर, झाड़ा सिरहा, भगवान बिरसा मुंडा और स्वामी विवेकानंद जैसे युगपुरुष हैं। अपने ग्रामीण जीवन और धूल-मिट्टी के कबड्डी मैदान से दिल्ली की संसद तक के सफर का संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघर्षों से प्रेरणा लेकर एक स्पष्ट लक्ष्य साधने का आह्वान किया।

विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित जगदलपुर नगर निगम के महापौर श्री संजय पाण्डे ने अधिकारियों के नामों का सुंदर रूपक बांधते हुए विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र दिया। उन्होंने महाभारत के अर्जुन की तरह लक्ष्य-केंद्रित रहने और स्वामी विवेकानंद के ध्येय वाक्य 'उत्तिष्ठत जाग्रत' को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। महापौर ने कहा कि बस्तर अब अशांति के दौर से निकलकर बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक, नेशनल ट्राइबल गेम्स और बस्तर मैराथन जैसे गौरवशाली आयोजनों का गवाह बन रहा है।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने शिक्षा को जीवन की दिशा और दशा बदलने वाली शक्ति करार दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर संपूर्ण व्यक्तित्व को तराशने वाली होनी चाहिए, क्योंकि देश को वैज्ञानिकों के साथ-साथ उत्कृष्ट कलाकारों और गायकों की भी दरकार है। बच्चों में संवाद कौशल विकसित करने के लिए जिले में बोलेगा बचपन अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु करीब 8 हजार बच्चों का अभ्यास टेस्ट कराया गया है।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में बस्तर के ऐतिहासिक प्रदर्शन की जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष जहां जिले से केवल 2 बच्चों का चयन हुआ था और जिला 30वें पायदान पर था, वहीं इस वर्ष शिक्षकों और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से 177 बच्चों ने बाजी मारकर बस्तर को पूरे राज्य में सीधे दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। इसमें अकेले बकावंड ब्लॉक से लगभग 130 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के लिए चलाए जा रहे उत्कृष्ट बस्तर अभियान, रेमेडियल कक्षाओं और प्रश्न बैंकों के महत्व पर बल देते हुए अधिकारियों को सभी प्रतिभागी बच्चों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर के मंच उपलब्ध कराए जा सकें।

कार्यक्रम में खम्हारगांव की कक्षा चैथी की छात्रा छबिला बघेल ने देशभक्ति व लोकसंस्कृति से ओतप्रोत गीत भारत माई के पाएं पड़ेंसे और कक्षा तीसरी के नन्हे छात्र गौतम सेठिया ने अपनी सुरीली गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस गरिमामय अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना, जिला शिक्षा अधिकारी श्री बलिराम बघेल, जिला मिशन समन्वयक श्री अशोक पांडे, बीईओ, बीआरसी, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026

'मन की बात' देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को देती है राष्ट्रीय पहचान : सीएम साय

■ निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले लोगों को देश के सामने लाते हैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यत: देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ, समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

'हर घर तिरंगा' में दिखा देशवासियों का राष्ट्रप्रेम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है।

फुंडहर गौधाम में बारिश में गौमाता को पानी से बचाने तत्काल में तिरपाल की व्यवस्था के निर्देश

■ सभी जेडएचओ पुंडहर जाकर निरीक्षण करें और गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए यथासंभव प्रयास करें

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के गोठानों में गौवंश की व्यवस्थाओं एवं रखरखाव को लेकर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने आज सभी जोनों के जोन हेल्थ ऑफिसरों (जेडएचओ) एवं काउकैचर टीम के कर्मचारियों की बैठक लेकर विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सड़क से पकड़े जाने वाले गौवंश, गोठानों की क्षमता, चारा-पानी, शेड, स्वास्थ्य व्यवस्था तथा पकड़े गए गौवंश की आगे की व्यवस्था की जानकारी ली गई।

बैठक में यह जानकारी सामने आई कि नगर निगम के सभी गोठानों की क्षमता लगभग पूरी हो चुकी है और इसके कारण सड़क से पकड़े जाने वाले कुछ गौवंश को आउटर क्षेत्र में छोड़े जाने की जानकारी दी गई। इस पर महापौर ने स्पष्ट कहा कि गोठानों की क्षमता पूरी होना गौवंश को असुरक्षित खुले स्थान पर छोड़ने का कारण नहीं बन सकता। गौवंश को पकड़ने के बाद उसकी सुरक्षित व्यवस्था और उसे कहां रखा गया, इसकी पूरी जानकारी संबंधित अधिकारियों के पास होना आवश्यक है।

महापौर ने निर्देश दिए कि किसी भी गोठान में निर्धारित क्षमता से अधिक गौवंश न रखा जाए। वहां उपलब्ध स्थान, चारा-पानी, शेड एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का आकलन करने के बाद ही गौवंश को रखने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि केवल गौवंश पकड़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षित देखभाल सुनिश्चित करना नगर निगम की जिम्मेदारी है।

महापौर ने सभी जोन हेल्थ ऑफिसरों को निर्देशित किया कि आज ही सभी गोठानों एवं कांजी हाउस का मौके पर जाकर निरीक्षण करें। वहां मौजूद गौवंश की संख्या, क्षमता, स्वास्थ्य, चारा-पानी, शेड, साफ-सफाई एवं जल निकासी की स्थिति का जायजा लेकर तत्काल क्या बेहतर व्यवस्था की जा सकती है, इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कागजी रिपोर्ट पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं मौके पर जाकर गौवंश की वास्तविक स्थिति देखें और आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करें। लगातार बारिश को देखते हुए महापौर ने फुंडर क्षेत्र में गौवंश को बारिश से बचाने के लिए तत्काल सुरक्षित एवं मजबूत तिरपाल/अस्थायी शेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और सीएमडीसी के मध्य हुआ महत्वपूर्ण समझौता

■ कटिंग-पॉलिशिंग के आधुनिक प्रशिक्षण के लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय बनेगा नॉलेज पार्टनर, 'बस्तर ब्रांड' को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर (विश्व परिवार)। नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में खनिज संसाधनों के दोहन के साथ-साथ उनके स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमडीसी) द्वारा बीजापुर जिले के कुचनूर क्षेत्र में लगभग 25 वर्षों के अंतराल के बाद कोरंडम खदान का पुन: संचालन किया गया है। कोरंडम के खनन से लेकर उसकी कटिंग, पॉलिशिंग, आभूषण निर्माण, ब्रांडिंग और विपणन तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने के उद्देश्य से CMDC और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में नया रायपुर स्थित मेफेयर रिज़ॉर्ट में यह महत्वपूर्ण एमओयू सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय को नॉलेज पार्टनर के रूप में चयनित किया गया है, जिसके माध्यम से स्थानीय युवाओं और शिल्पकारों को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वैज्ञानिक पद्धति से हो रहा उच्च गुणवत्ता वाले कोरंडम का उत्खनन

प्रदेश में कोरंडम खनिज के दोहन एवं विपणन के लिए एमडीसी और संयुक्त उपक्रम साझेदार मेसर्स एन.सी. नाहर के मध्य गठित छत्तीसगढ़ कोरंडम माइन्स लिमिटेड के माध्यम से बीजापुर जिले के भोपालपट्टनम क्षेत्र के ग्राम कुचनूर में कोरंडम खदान संचालित की जा रही है। लगभग 25 वर्षों के अंतराल के बाद फरवरी 2025 से खदान का पुन: संचालन करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले कोरंडम का वैज्ञानिक पद्धति से उत्खनन किया जा रहा है। वर्तमान में खदान से उत्खनित कोरंडम का लगभग 240 किलोग्राम भंडारण है, जिसमें से 157.643 किलोग्राम का परिवहन किया जा चुका है। परिवहन किए गए कोरंडम में 107.989 किलोग्राम बी-ग्रेड तथा 49.654 किलोग्राम औद्योगिक ग्रेड कोरंडम शामिल है।

खनन के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार

कुचनूर कोरंडम खदान के संचालन से बीजापुर जिले के 14 स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार और एमडीसी का प्रयास है कि खनिज आधारित गतिविधियों का लाभ केवल खनन तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय समुदायों, युवाओं, शिल्पकारों, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों की भागीदारी से आय के नए अवसर सृजित हों।

कटिंग-पॉलिशिंग के प्रशिक्षण से बढ़ेगा मूल्य संवर्धन

कोरंडम से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर जेम्स्टोन हैंडलिंग, कटिंग, पॉलिशिंग और अन्य वैल्यू एडिशन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय को नॉलेज पार्टनर बनाया गया है। आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रत्नों की पहचान और कौशल गतिविधियों में दक्ष बनाया जाएगा। इससे उन्हें रोजगार के साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर भी मिलेंगे।

बायोइनोवेट 2026: कलिंगा विश्वविद्यालय ने 'बायोटेक्नोलॉजी में स्टार्ट-अप्स' पर IIC-आधारित गतिविधि का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को कलिंगा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC) के तत्वावधान में 'बायोटेक्नोलॉजी में स्टार्ट-अप्स' विषय पर 'बायोइनोवेट 2026' गतिविधि का सफल आयोजन किया। छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच उद्यमिता की भावना (Eentrepreneurial Mindset) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल ने बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में उभरते अवसरों को रेखांकित किया और नवीन स्टार्ट-अप विचारों को प्रेरित किया।

उद्घाटन समारोह के साथ कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत हुई, जिसने संकाय और छात्रों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान, अकादमिक संवाद और सक्रिय

भागीदारी के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया।

प्रमुख गणमान्य व्यक्ति और प्रतिभागी

डॉ. अमित दुबे : वैज्ञानिक D, CGCOST (छ.ग. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद), मुख्य वक्ता

डॉ. संदीप गांधी : कुलसचिव, कलिंगा विश्वविद्यालय

डॉ. बेंदी अंजनेयुलु : उप डीन-अकादमिक मामले एवं प्रभारी डीन, विज्ञान संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय

डॉ. सुषमा दुबे : विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, कलिंगा विश्वविद्यालय

संकाय सदस्य : बायोटेक्नोलॉजी विभाग (कलिंगा विश्वविद्यालय) एवं माता कर्मा कॉलेज (महासमुंद)

छात्र-छात्राएं : कलिंगा विश्वविद्यालय और माता कर्मा कॉलेज (महासमुंद, छत्तीसगढ़) के 190 से अधिक उत्साही प्रतिभागी, जो दोनों संस्थानों के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत स्थापित अकादमिक सहयोग के निरंतर रूप में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CGCOST), रायपुर के वैज्ञानिक 'डी' डॉ. अमित दुबे ने बायोटेक्नोलॉजी स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार-संचालित उद्यमिता, प्रौद्योगिकी विकास, बौद्धिक संपदा (IPR), और बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में युवा नवप्रवर्तकों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर अपने अमूल्य विचार साझा किए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में वैगन रिपेयर शॉप में संगोष्ठी का आयोजन

■ संगोष्ठी में हिंदी एवं एआई पर सार्थक चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), रायपुर के तत्वावधान में वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में नराकास, रायपुर के 16 सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में श्री निर्मल कुमार भंडारी, मुख्य कर्मशाला प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही श्री ए. रमेश बाबू, सहायक कर्मशाला कार्मिक अधिकारी एवं राजभाषा नोडल अधिकारी तथा श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी एवं सचिव, नराकास उपस्थित रहे। संगोष्ठी में तीन महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। 'विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट' विषय पर श्री निकेश कुमार पाण्डेय, 'कार्यालयीन अनुवाद : अपेक्षाएँ, यथार्थ एवं भ्रांतियाँ' पर डॉ. कमल तथा

'चैट जीपीटी एवं अन्य एआई टूल्स के माध्यम से कार्यालयीन हिंदी लेखन' पर श्री विनय कुमार पाण्डेय ने उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी। संगोष्ठी में कार्यालयीन हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा आधुनिक तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के माध्यम से हिंदी लेखन को सरल एवं प्रभावी बनाने पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी सदस्य कार्यालयों की सक्रिय सहभागिता रही। राजभाषा अनुभाग, वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में अब तक 906.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 31 अगस्त 2026 तक 906.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 1132 मिमी, बलौदाबाजार में 1037 मिमी, पलारी में 968.9 मिमी, लवन में 890.7 मिमी, सुहेला 854.1 मिमी, सिमगा में 830.8 मिमी, कसडोल 842.3 मिमी, भाटापारा में 837.8 मिमी एवं सोनाखान 748.2मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 8157.3 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 898.7 मिमी है।

आयुक्त ने किया रिटायर्ड अधिकारी-कर्मचारी का सम्मान

■ हाथ में पीपीओ लिए रिटायर्ड अधिकारियों-कर्मचारियों के चेहरे में दिखी मुस्कुराहट, दिया मुख्यमंत्री को धन्यवाद

रायपुर (विश्व परिवार)। आप सभी सदैव स्वस्थ्य रहें, दीर्घायु हों, अपने जीवन के द्वितीय पाली का आनंद लें। आपने जीवन भर शासकीय सेवा करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने यह कहते हुए जिले के विभिन्न विभागों से 49 सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का 'प्रोजेक्ट वंदन' के तहत सम्मान किया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने हाथों में पेंशन पेमेन्ट ऑर्डर (पीपीओ), जीपीओ सहित सभी सत्वों की राशि लेकर विदा हुए, उनके चेहरे में मुस्कुराहट थी और संतुष्टि का भाव भी था। वे सभी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कह रहे थे कि उन्हें बड़ी आसानी से बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे रिटायरमेंट के अंतिम दिन पेंशन का आर्डर हाथों में ही मिल गया और सभी सत्वों की राशि भी मिल गई। अब वे बड़े उत्साह के साथ जीवन का आनंद लेंगे।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट वंदन के तहत जिला प्रशासन द्वारा रिटायरमेंट होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सभी सत्वों का निराकरण रिटायरमेंट के दिन ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा 'प्रोजेक्ट सेकेण्ड इनिंग' चल रहा है। इसके तहत रिटायरमेंट होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी से आग्रह किया जाता है कि वे अपना कुछ समय स्कूलों में व्यतीत करें।

आवास निर्माण की प्रगति का आयुक्त ने निरीक्षण कर समय सीमा में पूर्ण करने हितग्राहियो को दी समझाईस

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। वार्ड विजिट की कडी में निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का प्रतिदिन दौराकर मूलभूत सुविधा बिजली,पानी, सफाई के अलावा निर्माण कार्य निरीक्षण कर रहे है। साथ ही साथ निकाय द्वारा शासन की संचालित योजनाओ की प्रगति का भी उनके द्वारा संबंधित अधिकारियो के साथ जायजा लिया जा रहा है। इसी कडी में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक बीएलसी अंतर्गत निर्माणाधीन आवासो का भी निरीक्षण किया। उनके इस लगातार भ्रमण से बीएलसी अंतर्गत निर्माणाधीन आवासो में प्रथम चरण में 157 आवास का निर्माण कार्य अधुरा था, अधुरे निर्माण कार्य वाले हितग्राहियो से निर्माण के संबंध में वार्डवार

व्यक्तिगत सम्पर्क कर उन आवासो को पूर्ण कराने के लिए चर्चा समझाईस दी गयी। चर्चा के परिणाम स्वरूप आज की स्थिति में 132 आवास शेष बचे है और मात्र 40 दिनों में 25 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। ये ऐसे आवास है जिनकी स्वीकृति 2022 में शासन से प्राप्त हुई थी, स्वीकृति उपरांत पिछले 2-4 वर्षों में जो हितग्राही आपने आवास का निर्माण कार्य बंद करके रखे थे उनके निर्माण को पूर्ण कराने का पूर्ण पयास इस भ्रमण के दौरान किया जा रहा है।

नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे डॉ. प्रेम साई, सुकमा में बांटा संबल

■ एक पैर गंवा चुकी सुक्की को घर मरम्मत के लिए 51 हजार रूपये , भरण पोषण और विवाह के लिए एक वर्ष तक हर माह 31 हजार रूपये की मदद

सुकमा (विश्व परिवार)। नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनके दुख-दर्द को साझा करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मातंगी धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेम साई गुरुजी ने सुकमा जिले के प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहयोग देने के साथ ही भविष्य में रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए मदद का भरोसा दिलाया।

नक्सल हिंसा में पिता को खोया, बेटे को मिला संबल

जगरगुंडा थाना क्षेत्र के बेनपल्ली पटेलपारा निवासी मुचाकी रामा की 5 मई 2025 को नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाकर हत्या कर दी थी। परिवार में उनकी पत्नी आयाती, 18 वर्षीय पुत्र किशोर, 15 वर्षीय पुत्री संजना और करीब 70 वर्षीय माता मुचाकी हुंगी हैं। परिवार वर्तमान में कृषि कार्य कर जीवन-यापन कर रहा है,डॉ. प्रेम साई गुरुजी ने परिवार से मुलाकात कर पुत्र किशोर को आगे की शिक्षा के लिए 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही उसे वुडन कार्य का प्रशिक्षण दिलाने का निर्णय लिया गया है,प्रशिक्षण से संबंधित पूरा खर्च मातंगी धाम द्वारा वहन किया जाएगा, ताकि किशोर हुनर सीखकर अपने परिवार का सहारा बन सके।

एक पैर गंवाने वाली सुक्की को 51 हजार और एक साल तक हर माह 31 हजार

चिंतलनार थाना क्षेत्र के भीमापुरम निवासी 14 वर्षीय मड़कम सुक्की नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से एक पैर से गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थीं। परिवार में उनकी मां मड़कम लिंगी, 20 वर्षीय बड़ी बहन मड़कम भीमे और 6 वर्षीय छोटा भाई मड़कम गुड्डी हैं। परिवार कृषि कार्य से जीवन-यापन करता है सुक्की की स्थिति को देखते हुए मातंगी धाम की ओर से घर मरम्मत के लिए परिवार को 51 हजार की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वहीं उसके भविष्य को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया गया है, मातंगी धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेम साई गुरुजी ने आश्वासन दिया कि सुक्की के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आवश्यक सहयोग एवं सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

राज्यपाल डेका को लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष शांडिल्य ने वार्षिक प्रतिवेदन सौंपा

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष सुश्री रीता शांडिल्य ने मुलाकात की। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग के 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि का पच्चीसवां वार्षिक प्रतिवेदन श्री डेका को सौंपा।

इस अवसर पर राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. सरिता उइके, श्री संतकुमार नेताम, श्री डी राहुल वेंकट, श्री चंद्र कुमार अजगले, श्री एच एल ध्रुव एवं श्रीमती लीना कोसम उपस्थित थीं।

क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बड़े पैमाने पर 2,482 स्थानीय बैंक अधिकारियों की भर्ती

■ चयनित अधिकारी सेवा के प्रथम 12 वर्षों तक अपने संबंधित राज्यों में पदस्थ रहेंगे; स्थानीय प्रतिभाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण करियर अवसरों के सृजन के साथ जमीनी स्तर पर बैंकिंग सेवाएँ होंगी और सुदृढ़

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक

मुंबई (विश्व परिवार)। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़बड़ौदा ने 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नियमित आधार पर 2,482 स्थानीय बैंक अधिकारियों (क.वे.श्रे./सं-I श्रेणी में) की नियुक्ति के लिए एक व्यापक भर्ती पहल की घोषणा की है। इस भर्ती अभियान का उद्देश्य युवा बैंकिंग पेशेवरों के लिए सार्थक करियर अवसरों का सृजन करना, बैंक में स्थानीय प्रतिभा के आधार को सुदृढ़ बनाना तथा जमीनी स्तर पर ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने एवं आर्थिक गतिविधियों को सहयोग देने की बैंक की क्षमता को और अधिक सशक्त करना है।

इस भर्ती पहल में गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा सहित कई राज्य शामिल हैं। इस भर्ती की एक प्रमुख विशेषता यह है कि चयनित अधिकारियों को उनकी सेवा के प्रारम्भिक 12 वर्षों तक अथवा व.वे.श्रे./सं-IV श्रेणी में पदोन्नति होने तक, जो भी पहले हो, उसी राज्य में पदस्थ किया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने आवेदन किया है। राज्य-आधारित इस पदस्थापना व्यवस्था से बैंक ऑफ़ बड़ौदा को स्थानीय भाषा में दक्षता, स्थानीय संस्कृति की समझ और स्थानीय बाजारों की जानकारी रखने वाला कार्यबल तैयार करने में सहायता मिलेगी। इससे ग्राहक के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने, बैंकिंग सेवा वितरण को सुदृढ़ करने तथा संबंधित क्षेत्रों में ग्राहकों की बैंकिंग आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा करने में सहायता मिलेगी।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 01 सितम्बर 2026

मंदिर परिसर में जलभराव की समस्या का समाधान

जशपुरनगर। कोतबा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 09 भुरतुपारा स्थित मंदिर परिसर में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को लेकर नगर पंचायत ने स्थिति स्पष्ट की है। नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने इस संबंध में प्रतिवेदन जारी कर बताया कि फिलहाल पानी निकासी के लिए अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। नगर पंचायत के अनुसार, मंदिर परिसर में पहले से चबूतरा निर्मित है। पूर्व में मंदिर के आसपास खाली स्थान उपलब्ध था, लेकिन बाद में इस क्षेत्र में मकानों का निर्माण हो गया। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग द्वारा कोतबा-बागबहार मार्ग का निर्माण कराया गया, जिसके कारण सडक़ का स्तर मंदिर परिसर की तुलना में ऊंचा हो गया है।

नारी के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन से ही बनेगा समृद्ध छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

■ नारी शक्ति सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है तो उसके साथ परिवार, समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और आर्थिक स्वावलंबन प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की हर बेटी को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिले और हर महिला आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा, खेल, साइबर सुरक्षा, पत्रकारिता, कला एवं संस्कृति, कृषि, महिला उद्यमिता, सामाजिक सेवा और महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने नारी शक्ति सम्मान समारोह पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया।

सम्मानित महिलाएं हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन महिलाओं ने अपने परिश्रम, प्रतिभा, साहस और संकल्प से अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं हैं, बल्कि उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं का सम्मान वास्तव में उस नारी शक्ति का सम्मान है, जो परिवार को संस्कार देती है, समाज को दिशा देती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज खेती-किसानी से लेकर उद्यमिता, शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा और आधुनिक तकनीक तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लक्ष्मी-नारायण, उमा-महेश्वर, सिया-राम और राधा-कृष्ण जैसे संबोधन हमारी उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं, जिसमें नारी को शक्ति, करुणा, सृजन और संस्कार का आधार माना गया है। राज्य सरकार इसी भावना को योजनाओं और नीतियों के माध्यम से धरातल पर उतार रही है।

पॉवर कंपनी से 11 कर्मियों की भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 11 अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने सेवानिवृत्त अधिकारी.कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित कर उनके सुखमय जीवन की कामना व्यक्त की। इस अवसर पर एमडी श्री शुक्ला ने कर्मियों की सेवाओं और योगदान को पॉवर कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया।

पॉवर कंपनी के मुख्यालय डंगनिया स्थित सेवा भवन में सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) विभाग में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी श्री शेष कुमार सोनी एवं श्री कमल कुमार भंवर, मुख्य अभियंता (उपकेंद्र) कार्यालय में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी श्री सी.आर.रामचंद्रन, कार्यपालन अभियंता (उपकेंद्र) में पदस्थ वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री सुशील कुमार शील व श्री रमेश कुमार वर्मा सहित भिलाई में कार्यरत वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री बसंत कुमार साहू, लाईन सहायक श्रेणी-दो श्री दुलारराम यादव एवं लैब टेक्नीशियन श्रीमती सावित्री राय को तथा जगदलपुर में कार्यरत लाईन सहायक श्रेणी-एक श्री आर.गुरवैया, सिविल परिचारक श्रेणी-एक, श्री कस्तुराम नाग को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्तजनों ने अपनी दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की संक्षिप्त अनुभव साझा करते हुए कंपनी प्रबंधन से मिले सहयोग के लिए साधुवाद किया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस.चैहान, श्री संजय पटेल, श्री वी. के दीक्षित, मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, श्री अब्राहम वर्गीस, श्री प्रसन्न गोसावी, श्रीमती रश्मि वर्मा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री एच.एल.पंचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल एवं आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता श्री पंकज चैधरी ने किया।

'खानदान' को खुश करने के लिए प्रलाप बंद करें बैज : भाजपा

■ प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने का तीखा पलटवार, पूछा : बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच मिलने से बैज के पेट में मरोड़ क्यों?

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के सेवा संकल्प अभियान के तहत छात्र-छात्राओं के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर दिए गए बयान पर तीखा प्रहार करते हुए इसे कांग्रेस की कुण्ठित और नकारात्मक मानसिकता का परिचायक बताया है। श्री ठोकने ने कहा कि प्रदेश के बच्चों और नौनिहालों की रचनात्मक, सर्जनात्मक और वैचारिक प्रतिभा को निखारने के लिए दिए जा रहे अवसरों से आखिर दीपक बैज के पेट में मरोड़ क्यों उठ रहा है?

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि बच्चों के भविष्य और शिक्षा पर घड़ियाली आँसू बहाने वाले बैज शायद अपना अतीत भूल गए हैं। दो साल पहले जून 2024 में ग्रीष्मकालीन अवकाश की समय-सीमा बढ़वाने के लिए खुद बैज मासूम बच्चों को लेकर भरी गर्मी में सड़कों पर आंदोलन कर रहे थे। उस वक्त बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर बैज की संवेदनशीलता को कौन-सा काठ मार गया था? नौनिहालों का राजनीतिक ढाल के रूप में इस्तेमाल करना कांग्रेस के सबसे शर्मनाक चरित्र का यह जीता-जागता प्रमाण था और आज वही बैज मासूमों के नाम पर उपदेश दे रहे हैं! श्री ठोकने ने सवाल दागते हुए कहा कि क्या कांग्रेस के शासनकाल में छात्र-छात्राओं के बौद्धिक और वैचारिक विकास के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम नहीं होते थे? तब क्या वह राजनीति थी? सच्चाई यह है कि जब भी प्रदेश के युवा और बच्चे राष्ट्र निर्माण, विकास और सुशासन के सकारात्मक विमर्श से जुड़ते हैं, तो कांग्रेस का झूठे नैरेटिव सेट करने का टूलकिटिया एजेंडा बेनकाब हो जाता है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने आज रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सम्मिलित होकर सुना।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देशवासियों से सीधा संवाद करते हुए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, जनभागीदारी, राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संवाद देशवासियों को 'सबका प्रयास' की भावना के साथ आगे बढ़ने तथा विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है।

श्री मिश्रा ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक संवाद कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम है, जो समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और राष्ट्रहित के कार्यों के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार करता है।

इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर, भाजपा जिला प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

खरगे के रैली स्थल का 'शुद्धिकरण' व राहुल गांधी पर एफआईआर भाजपाई तानाशाही का प्रमाण : बैज

■ दलित विरोधी भाजपाइयों का मानसिक दिवालियापन उजागर

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के रैली स्थल का 'शुद्धिकरण' और राहुल गांधी जी पर एफ्आईआर को भाजपाइयों के तानाशाही चरित्र का प्रमाण बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी की बर्बर, ओछी और दलित विरोधी मानसिकता का वीभत्स चेहरा एक बार फिर देश के सामने आ गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ दलित नेता आदरणीय मल्लिकार्जुन खरगे जी की जनसभा के बाद भाजपाई नेताओं द्वारा उस सभास्थल का 'शुद्धिकरण' कराया जाना केवल खरगे जी का अपमान नहीं, बल्कि देश के करोड़ों दलितों, वंचितों और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान पर सीधा हमला है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भारतीय जनता पार्टी और उसके पितृ संगठन आरएसएस पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा का असली डीएनए दलित विरोधी है। एक तरफ जहां दलित समाज के शीर्ष नेता का अपमान किया जाता है, वहीं दूसरी तरफ इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ मुखरता से आवाज उठाने वाले हमारे नेता राहुल गांधी जी पर उल्टे झूठी एफ्आईआर दर्ज करा दी जाती है। अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतांत्रिक अधिकारों को निर्ममता पूर्वक कुचल रही है यह सरकार।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार बताएं कि अपराधियों को किसका संरक्षण है? उत्तराखंड में जुर्म और अत्याचार करने वाले अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने के बजाय भाजपा सरकार उन पर पर्दा डालने में क्यों जुटी है? राहुल गांधी जी से खौफ क्यों?

एमएमडीसी, बचेली कॉम्प्लेक्स में वॉटर स्प्रिंकलर का उद्घाटन

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी, बचेली कॉम्प्लेक्स में अग्निशमन क्षमता से लैस कोमात्सु (Komatsu) मेक के 50 किलोलीटर (KL) क्षमता वाले दो वॉटर स्प्रिंकलर (जल छिड़काव वाहन) का उद्घाटन किया गया, जिससे खनन कार्यों में धूल नियंत्रण और अग्निशमन की तैयारियों को और मजबूती मिली है।

प्रोजेक्ट क्रम संख्या WT-8 वाला वॉटर स्प्रिंकलर डिपॉजिट-10/11A में कमीशन किया गया है, जबकि प्रोजेक्ट क्रम संख्या WT-9 डिपॉजिट-5 में कमीशन किया गया है। नए कमीशन किए गए उपकरणों की चाबियां मैसर्स एल एंड टी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना प्रमुख श्री श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक और श्री टी. शिव कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) की उपस्थिति में सौंपी गईं।

नवनियुक्त 50 किलोलीटर क्षमता वाले ये वॉटर स्प्रिंकलर दोनों खनन क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से धूल दबाने के लिए छिड़काव करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण के निर्माण में योगदान मिलेगा। वहीं, एकीकृत अग्निशमन व्यवस्था आग से जुड़ी आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए खदानों की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को और अधिक बढ़ाएगी।

इन उन्नत उपयोगिता वाहनों (यूटिलिटी व्हीकल्स) के शुरू होने से बचेली कॉम्प्लेक्स में परिचालन दक्षता, पर्यावरण प्रबंधन और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम जुड़ा है।

बिजली के निजीकरण को लेकर कांग्रेस फैला रही भ्रम : साय

■ रूटीन प्रक्रिया को निजीकरण से जोड़ना पूरी तरह भ्रामक : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिजली के निजीकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की बिजली के निजीकरण की कोई मंशा नहीं है और इस संबंध में जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिस सुनवाई को बिजली के निजीकरण से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, वह एक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसी रूटीन प्रक्रिया का अर्थ यह कतई नहीं है कि सरकार बिजली का निजीकरण करने जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कांग्रेस हमेशा की तरह इस विषय में भी दुष्प्रचार कर जनता को गुमराह करने और गलतफहमी पैदा करने का प्रयास कर रही है। प्रदेशवासियों को ऐसे भ्रामक प्रचार से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है।

छत्तीसगढ़ और नॉर्थ वेस्ट संयुक्त रूप से बने ओवरऑल चैंपियन

■ राजकुमार कॉलेज में 7वीं CISCE राष्ट्रीय बालिका स्क्वैश प्रतियोगिता का भव्य समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजकुमार कॉलेज, रायपुर में आयोजित 7वीं CISCE राष्ट्रीय गेम्स एवं स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2026 की बालिका स्क्वैश प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्गों में देशभर से पहुँची खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में AIIMS रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं CEO लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) अशोक कुमार जिंदल, PVSM, AVSM, YSM (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

राजकुमार कॉलेज के प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह ने भी खिलाड़ियों एवं टीम अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के अंडर-14 व्यक्तिगत वर्ग में नॉर्थ वेस्ट की अहिल्या कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नॉर्थ वेस्ट की चाहत खानम यास्मिन दूसरे तथा पद्मिनी सिंह जूदेव तीसरे स्थान पर रहीं। तमिलनाडु की कल्पिता रेंगनायगी ए. ने चौथा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 व्यक्तिगत वर्ग में बिहार एवं झारखंड की आद्या बुधिया ने खिताब अपने नाम किया। आंध्र प्रदेश की अर्णा द्विवेदी दूसरे, नॉर्थ वेस्ट की संघमित्रा राठौर तीसरे तथा लावण्या शर्मा चौथे स्थान पर रहीं। अंडर-19 व्यक्तिगत वर्ग में छत्तीसगढ़ की समृद्धि मुलवानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। आंध्र प्रदेश की अनशिका गौड़ कंडुनूरी दूसरे, छत्तीसगढ़ की मनस्वी सिंह छवई तीसरे तथा आंध्र प्रदेश की नित्या रेड्डी अकिति चौथे स्थान पर रहीं।

टीम स्पर्धाओं में नॉर्थ वेस्ट और छत्तीसगढ़ का दबदबा टीम स्पर्धाओं में नॉर्थ वेस्ट ने अंडर-14 एवं अंडर-17 दोनों वर्गों में चैंपियनशिप जीती।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर में लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ

■ रेल परिचालन की निगरानी अब होगी अधिक संरक्षित, तेज, पारदर्शी और प्रभावी।

बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने रेल परिचालन को अधिक संरक्षित, तेज, पारदर्शी एवं कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ किया है।

लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज दिनांक 31 अगस्त 20226 को किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री जी. पी. खुटे, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री के.के.सिन्हा, मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर श्री राकेश रंजन सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल स्थित डिवीज़नल कंट्रोल में स्थापित लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल है। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषता भारतीय रेल का सबसे बड़ा अल्ट्रा-नैरो-बेज़ल वीडियो वॉल है, जिसके माध्यम से ट्रेनों की आवाजाही एवं सिग्नलिंग की स्थिति का वास्तविक समय में व्यापक एवं स्पष्ट दृश्य प्राप्त किया जा सकता है।

वास्तविक समय में ट्रेनों की निगरानी

लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से रेल परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एकीकृत एवं केंद्रीकृत रूप में उपलब्ध होती हैं। इससे नियंत्रण कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों को ट्रेनों की स्थिति एवं परिचालन से जुड़ी परिस्थितियों का तत्काल आकलन करने में सहायता मिलती है।

इस प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं हैं-

- ट्रेनों की आवाजाही एवं सिग्नलिंग स्थिति की वास्तविक समय में निगरानी।
- मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेनों की स्वचालित निगरानी एवं ट्रैकिंग।
- स्टेशनों के यार्ड एवं ब्लॉक खंडों का एकीकृत दृश्यांकन।
- रेल परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं का केंद्रीकृत प्रदर्शन।
- परिचालन संबंधी निर्णय लेने में तेजी एवं बेहतर समन्वय।
- नियंत्रण कार्यालय के अधिकारियों की परिस्थितिजन्य जागरूकता में वृद्धि।
- संरक्षित, समयबद्ध एवं अधिक कुशल रेल परिचालन में सहयोग।

लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से बिलासपुर मंडल के 47 स्टेशनों तथा रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों में रेल परिचालन की निगरानी एवं दृश्यता को बेहतर बनाया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354